सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

आवश्यकता है

मीडिया हाउस

में काम करने के लिए ऑफिस बॉय की जरूरत है।

(छुटपुट कुकिंग कार्य करने वाले को प्राथमिकता)

वेतन चार अंकों में ....

पता : शॉप नंबर 12, रेलवे क्रासिंग के पास, आकाशगंगा, सुपेला, भिलाई

संपर्क : 9827806026, 8319932659

वर्ष- 15 अंक - 14 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शुक्रवार 27 अक्टूबर 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

करूणा ने दी थी डॉ. रमन को कड़ी टक्कर इस बार गिरीश कर सकते हैं बड़ा उलटफेर

श्रीकंचनपथ इलेक्शन न्यूज़

राजनांदगांव। भाजपाई किला ध्वस्त करने के लिए 2018 में कांग्रेस ने बड़ा खेल किया था। भाजपा को भाजपा के ही मोहरे से मात देने के इस खेल में तत्कालीन सीएम डॉ. रमन सिंह उलझकर रह गए। उस वक्त भाजपा से नाराज चल रही पूर्व पीएम अटलबिहारी वाजपेयी की भतीजी करूणा शुक्ला को कांग्रेस ने राजनांदगांव क्षेत्र से डॉ. रमन सिंह के खिलाफ मैदान में उतार दिया था। इसका नतीजा यह हुआ डॉ. रमन अपने क्षेत्र में सीमित होकर रह गए और उनके जीत का अंतर भी 50 फीसद से कम हो गया। उस वक्त करूणा शुक्ला को बाहरी प्रत्याशी बताया गया, जिसका काफी कुछ असर मतदान पर भी हुआ, लेकिन इस बार कांग्रेस ने गिरीश देवांगन के रूप में एक सशक्त प्रत्याशी मैदान में उतारा है, जिनका ननिहाल राजनांदगांव है। कांग्रेस प्रत्याशी गिरीश देवांगन को भांचा के रूप में स्वीकार करते हुए मतदाता इस बार उन्हें जीत का आशीर्वाद दे रहे हैं। इस बार मुकाबला पिछली बार से भी ज्यादा रोचक और जोरदार हो गया है। यह तक कहा जाने लगा है कि कांग्रेस के इस दांव से भाजपा का पेंच फंस गया है।

राजनांदगांव में अबकी बार जोरदार मुकाबला कहीं फंस न जाए भाजपा का पेंच

छत्तीसगढ़ में भांचा को आदर और सम्मान के साथ देखा जाता है। यहां भांचा में राम देखने की परंपरा है। इसलिए जिस भाजपा के लिए राम आरम्भ से ही वोट कबाड़ने का माध्यम रहे, अब उसके पास इस राम का कोई विकल्प नहीं है। 2003 से लेकर 2018 चुनाव के पहले तक राज्य की कमान डॉ. रमन सिंह के हाथों में रही, लेकिन 2018 में मिली करारी शिकस्त के चलते डॉ. रमन का कद भी पहले जैसा नहीं रहा। यहां तक कि पार्टी ने उन्हें इस बार सीएम के लिए प्रोजेक्ट भी नहीं किया। इधर, प्रदेश में आई कांग्रेस की सरकार ने भाजपाई जनाधार को बुरी तरह नेस्तनाबूत किया। बदली हुई इन तमाम स्थितियों के चलते राजनांदगांव की मानसिकता भी बदली है। कांग्रेस पार्टी को यहीं से अपने लिए संभावनाएं दिख रही है। इसमें कोई दोराय नहीं है कि भाजपा के पास डॉ. रमन सिंह जैसा बड़ा और अनुभवी नेता नहीं है, शायद इसीलिए अपने चुनाव अभियान को धार देने के लिए पार्टी डॉ. रमन के अलावा कुछ और चेहरों को सामने लाई है। लेकिन यह तय है कि सीएम फेस डॉ. रमन नहीं है। यानी यदि भाजपा का बहुमत आता है तब भी राजनांदगांव को सीएम नहीं मिल पाएगा। पिछले और वर्तमान चुनाव में यह भी एक बड़ा अंतर है, जो सीधे तौर पर नतीजों पर असर डालेगा।

जनसम्पर्क में बता रहे भूपेश सरकार की उपलब्धियां

श्री देवांगन क्षेत्र में लगातार जनसमर्थन हासिल कर रहे हैं। वे मतदाताओं से सीधे मुलाकात कर उन्हें पांच साल की कांग्रेस सरकार की योजनाएं और सफलता पर बात कर रहे हैं। मतदाता भी उन्हें अपने बीच पाकर उत्साहित है। जनसम्पर्क के दौरान श्री देवांगन प्रदेश सरकार की उपलब्धियां बता रहे हैं। किसानों की कर्जमाफी, बिजली बिल माफी, स्वामी आत्मानंद स्कूल, धनवंतरी मेडिकल स्टोर्स में मिल रही सस्ती दवाएं, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का मानदेय बढ़ाना, बेरोजगारी भत्ता से लेकर रोजगार और स्वरोजगार के लिए अवसर बढ़ना, घर-घर राशन कार्ड बनवाना, गोधन, गौठान और रीपा और इस तरह की तमाम योजनाओं की जानकारी दे रहे हैं। श्री देवांगन आवासहीन लोगों से भी यह वायदा कर रहे हैं कि जल्द ही ऐसे लोगों के पास खुद का घर होगा। इसके अलावा प्रदेश की भूपेश बघेल सरकार की पहल पर स्वास्थ्य सेवाओं और सुविधाओं के विस्तार के बारे में भी बता रहे हैं।

बदहाल नांदगांव की बदलेंगे सूरत

कांग्रेस प्रत्याशी गिरीश देवांगन का चुनाव प्रचार जोरदार तरीके से चल रहा है। वे नुक्कड़ सभाएं भी कर रहे हैं और मतदाताओं को आश्वस्त भी कि उनके चुनाव जीतने के बाद क्षेत्र का नक्शा बदलने की पुरजोर कोशिश होगी। श्री देवांगन का कहना है कि राजनांदगांव क्षेत्र की बदहाली इस चुनाव में बड़ा मुद्दा होगी। क्षेत्र की जनता ने जिस व्यक्ति को सांसद और तीन बार विधायक बनाया, वे मुख्यमंत्री जैसे पद पर रहने के बाद भी क्षेत्र की उपेक्षा करते रहे। इस बार यदि कांग्रेस चुनाव जीतती है तो राजनांदगांव का समग्र विकास पहली प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि इस बार मतदाताओं ने भी ठान लिया है कि परिवर्तन करना है। इसलिए यह तय है कि हम रमन सिंह को बड़े अंतर से चुनाव हराएंगे। श्री देवांगन ने कहा कि भले ही रमन सिंह डॉक्टर हों, लेकिन वे राजनांदगांव के नागरिकों की दुखती रग नहीं पकड़ पाए। नांदगांव क्षेत्र आज भी बड़ी और गम्भीर समस्याएं से जूझ रहा है।

डोंगरगांव से लड़ा उपचुनाव फिर नांदगांव को बनाया ठिकाना

2003 के विधानसभा चुनाव में डॉ. रमन सिंह की अगुवाई में प्रदेश में विधानसभा चुनाव हुए थे। इससे पहले वे सांसद और केन्द्रीय मंत्री थे, लेकिन छत्तीसगढ़ के तत्कालीन राजनीतिक हालातों को देखते हुए पार्टी ने उन्हें प्रदेश अध्यक्ष का दायित्व सौंपा। क्योंकि यह चुनाव उनके नेतृत्व में हुआ और वे केन्द्रीय मंत्री जैसा पद छोड़कर आए थे, इसलिए पार्टी ने उन्हें छत्तीसगढ़ का मुख्यमंत्री बनाया। 2004 में डोंगरगांव क्षेत्र का उपचुनाव उन्होंने सीएम रहते हुए ही लड़ा और कांग्रेस की गीतादेवी सिंह को 10 हजार 111 मतों से शिकस्त दी। 2008 के चुनाव में डॉ. रमन राजनांदगांव विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस के उदय मुदलियार के सामने मैदान में थे। तब उन्होंने 32 हजार 389 मतों के बड़े अंतर से जीत हासिल की। 2013 में कांग्रेस ने झीरम घाटी नरसंहार में शहीद हुए स्व. उदय मुदलियार की पत्नी रेखा मुदलियार को प्रत्याशी घोषित किया, लेकिन तब भी कांग्रेस को 35 हजार 866 मतों के बड़े अंतर से पराजय का सामना करना पड़ा। 2018 में कांग्रेस ने डॉ. रमन को घेरने के लिए भाजपा की ही शीर्षस्थ नेत्री रही करूणा शुक्ला को प्रत्याशी घोषित किया। इस चुनाव में डॉ. रमन की जीत के बढ़ते आंकड़े पर विराम लग गया। करूणा शुक्ला को बाहरी प्रत्याशी बताए जाने के बाद भी डॉ. रमन 16,960 मतों से ही जीत हासिल कर पाए, जो उनकी पिछली जीत से आधे से भी कम था। इन्हीं आंकड़ों के आधार पर कांग्रेस अब उस लगभग 17 हजार के गड्ढे को पाटने में जुटी है। गिरीश देवांगन को इस क्षेत्र से उतारकर कांग्रेस ने बड़ा दांव चला है।

रमन राज में हजारों किसानों ने की आत्महत्याएं

पेशे से कृषक श्री देवांगन को इस बात का बेहद दर्द है कि 15 साल की भाजपाई सत्ता के दौरान हजारों किसानों ने आत्महत्याएं की। उन्होंने कहा कि इस बार मतदाताओं के आशीर्वाद से हम उस रमन सिंह को बुरी तरह पराजित करेंगे, जिन्होंने चुनाव के दौरान किसानों से बोनस देने का वायदा तो किया, लेकिन वायदा पूरा नहीं किया। इन्हीं रमन सिंह ने धान की कीमत 2100 रूपए देने की बात कही थी, लेकिन न धान की कीमत 2100 रूपए दी और न ही 300 रूपए बोनस ही दिया। ये वही रमन सिंह हैं जो भूपेश बघेल सरकार द्वारा 2500 रूपए में धान खरीदने का विरोध करते हैं। यह वास्तव में भाजपा और उसके नेताओं का किसान विरोधी चरित्र है। जबकि भूपेश सरकार ने किसानों को 2500 रूपए देने के लिए राजीव गांधी किसान न्याय योजना शुरू की और प्रति एकड़ एनपुट सब्सिटी देना शुरू किया। आज राजनांदगांव के मतदाताओं को यह भलीभांति मालूम है कि एक किसान कांग्रेस प्रतिनिधि के रूप में चुनाव मैदान में है।

छत्तीसगढ़िया-गैर छत्तीसगढ़िया भी मुद्दा

डॉ. रमन ने क्षेत्र से तीन बार चुनाव लड़ा और तीनों बार विजयी भी हुए, लेकिन इस बार के हालात और मुद्दे जुदा है। प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद भूपेश बघेल की अगुवाई में कांग्रेस ने छत्तीसगढ़िया स्वाभिमान को जगाने की भरसक कोशिश की। इसमें कामयाबी भी मिली। छत्तीसगढ़िया संस्कृति, भाषा, परंपराएं और स्थानीय खेलकूद पर कांग्रेस की सरकार का खास फोकस रहा। इसी का परिणाम है कि इस बार भाजपा ने बहुत बड़ी संख्या में छत्तीसगढ़िया प्रत्याशी मैदान में उतारे हैं। लेकिन राजनांदगांव में छत्तीसगढ़िया और गैर छत्तीसगढ़िया प्रमुख और बड़ा मुद्दा है। कांग्रेस अपने प्रत्याशी गिरीश देवांगन को छत्तीसगढ़िया चेहरे के रूप में प्रचारित कर रही है, वहीं डॉ. रमन को गैर छत्तीसगढ़िया बताया जा रहा है। इस चुनाव में यह मुद्दा भी भाजपा के खिलाफ जाता दिखता है। भाजपा के 15 वर्षीय शासनकाल में छत्तीसगढ़िया लोगों की कथित उपेक्षा को भी कांग्रेस मुद्दा बना रही है।

खास-खबर

पीएम मोदी ने किया इंडिया मोबाइल कांग्रेस का उद्घाटन, 22 देशों के प्रतिभागी ले रहे हिस्सा

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को नई दिल्ली स्थित प्रगति मैदान के भारत मंडपम में एशिया के सबसे बड़े टेक्नोलॉजी मंच, इंडिया मोबाइल कांग्रेस (आईएमसी) 2023 का उद्घाटन किया। तीन दिन तक चलने वाले इस टेक इवेंट के 7वें संस्करण में 6जी, 5जी नेटवर्क सुधार, दूरसंचार और अन्य क्षेत्रों पर फोकस रहेगा।

वहीं एआई एप्लीकेशन, एज कंप्यूटिंग, इंडस्ट्री 4.0 और इंडिया स्टैक को लेकर भी नई जानकारी मिलेगी। आईएमसी 2023 में ब्रॉडकास्ट, सैटेलाइट कम्युनिकेशन, मैन्युफैक्चरिंग और सेमीकंडक्टर जैसे संबंधित टेक्नोलॉजी डोमेन के विस्तार को शोकेस किया जा रहा है।

पीएम मोदी ने रिलायंस जियो कॉर्नर का दौरा किया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रिलायंस जियो कॉर्नर का दौरा किया। इस दौरान जियो के चेयरमैन आकाश अंबानी ने पीएम मोदी को कंपनी द्वारा आईएमसी 2023 में डिस्प्ले किए गए नए उत्पादों और समाधानों के बारे में बताया। पीएम मोदी ने इस साल इवेंट में एयरटेल और एरिक्सन की ओर से डिस्प्ले की गई नई तकनीक पर भी नजर डाली।

बता दें कि इस इवेंट में Jio, Airtel और Vodafone Idea (Vi) जैसी टेलीकॉम कंपनियां अपने नए 5त्न उपयोग के मामलों का प्रदर्शन करेंगी, अपने एप्लिकेशन और सेवाओं का प्रदर्शन करेंगी जो अगले कुछ वर्षों में उपभोक्ताओं के लिए उपलब्ध हो सकती हैं।

22 देशों के प्रतिभागी ले रहे भाग

आईएमसी 2023 में लगभग 22 देशों के एक लाख से अधिक प्रतिभागी भाग लेने वाले हैं, जिनमें लगभग 5000 सीईओ स्तर के प्रतिनिधि, 230 एक्सहिबिटर्स, 400 स्टार्टअप और अन्य हितधारक शामिल होंगे।

छत्तीसगढ़ कांग्रेस की नई पहल: 30 अक्टूबर को वोटर जागरूकता मैराथन का आयोजन, 18 से 25 साल के युवा लगाएंगे दौड़

रायपुर। छत्तीसगढ़ के युवा मतदाताओं के लिए प्रदेश कांग्रेस की ओर से मैराथन आयोजन करेगी। साल 2023 में होने वाले चुनाव में पहली बार वोट देने वाले लोगों की संख्या लगभग 18 लाख है। इन्हें प्रेरित करने के लिए इसका आयोजन किया जा रहा है। प्रदेश कांग्रेस पार्टी की ओर से वोटर जागरूकता मैराथन में 18 से 25 साल के युवा भाग ले सकेंगे। इसका आयोजन 30 अक्टूबर को किया जाएगा।

इस मैराथन में भाग लेने वाले युवा ऑनलाइन और ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन फॉर्म लिंक और क्यूआर कोड के जरिए किया जा सकता है। ऑफलाइन माध्यम से भी रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। मैराथन रायपुर स्थित तेलीबांधा तालाब से सुबह 7 बजे चालू होगा और घड़ी चौक होते हुए गांधी मैदान तक जाएगी। इस मैराथन में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, कन्हैया कुमार और छत्तीसगढ़ के स्पोर्ट्स इंफ्लूएंसर शामिल होंगे। मैराथन में प्रथम 100 विजेताओं से सीएम भूपेश बघेल जी विशेष मुलाकात करेंगे। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने बताया कि राजीव युवा मितान के तहत 13 हजार 242 क्लब गठित और 132 करोड़ की राशि दी गई।

बस्तर के वनांचल को किसने लगाई आग?

श्रीकंचनपथ

दुनिया भर के आदिवासियों को सुरक्षित और संरक्षित करने की बातें आती हैं। इसके समानान्तर उन्हें विकास की मुख्यधारा से जोड़ने की भी बातें होती हैं। ये दोनों मत एक दूसरे के धुर विरोधी हैं। पहला जहां चाहता है कि आदिवासी तीर धनुष लिये अधनंगा जंगलों में घूमता फिरता रहे। वहीं दूसरा मत चाहता है कि वहां भी स्कूल, कालेज और अस्पताल खुलें। लोग शिक्षित हों और समाज की मुख्य धारा में शामिल हो जाए। छत्तीसगढ़ का बस्तर संभाग भी इसी उधेड़बुन को जी रहा है। यहां का आदिवासी जीवन तमाम विविधताओं और रंगों के साथ पूरी दुनिया के आकर्षण का केन्द्र रहा है। आदिवासी जनजीवन में परिवर्तन की पहली दस्तक 1958 से शुरू होती है। केन्द्र सरकार ने 12 सितंबर 1958 को एक प्रस्ताव पारित कर पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) से आने वाले शरणार्थियों को मध्यप्रदेश के बस्तर और उड़ीसा के मलकानगिरी में बसाने के लिए 'दंडकारण्य परियोजना' प्रारंभ की थी। 31 अक्टूबर 1979 तक बस्तर के इस इलाके में 18,458 शरणार्थियों को बसाया गया। 2011 की जनगणना के अनुसार यहां की कुल 1।71 लाख आबादी में से एक लाख लोग बांग्ला बोलते हैं। वहीं पखांजूर की 95 फीसदी आबादी पूर्व शरणार्थियों की है। इन शरणार्थियों की दो पीढ़ियां गुजर चुकी हैं। दशकों के सह अस्तित्व ने आदिवासियों और शरणार्थियों के बीच के अनेक अंतरों को मिटा दिया। इनके बीच वैवाहिक संबंध तक हुए। खान-पान में समानताएं आई। लोककला और लोकशिल्प भी प्रभावित हुआ। 1950 के दशक में बस्तर राजपरिवार ने ही यहां प्रथम चर्च के लिए जमीन दान की थी। ईसाई मिशनरियां इससे भी पहले से यहां सक्रिय थीं। ईसाई मिशनरियों का काम करने का अपना तरीका है। वे लोगों के बीच जाते हैं, उनकी मदद करते हैं और लोगों को चर्च आने के लिए प्रेरित करते हैं। इसमें हिंसा नहीं है। लोगों को मदद मिलती है, वे प्रभावित होते हैं और चर्च जाना शुरू कर देते हैं। आदिवासियों की चर्च पर निर्भरता और ईसाई धर्म के प्रति झुकाव को सीमित करने 1952 में वनवासी कल्याण आश्रम की स्थापना जशपुर में की गई। 1970 के दशक तक इसकी गतिविधियां बस्तर तक पहुंच गईं। 1985 में नारायणपुर में रामकृष्ण मिशन आश्रम की स्थापना की गई। यहां अस्पताल, स्कूल, आईटीआई का संचालन प्रारंभ हो गया। पर न तो वनवासी कल्याण आश्रम और न ही रामकृष्ण मिशन के लोगों की कभी किसी ईसाई मिशनरी से कोई झड़प हुई। सब अपना-अपना काम करते रहे। पिछले साल जनवरी में छत्तीसगढ़ की भूपेश सरकार ने राम वन गमन परिपथ विकास योजना की घोषणा की। बस्तर संभाग के कई स्थलों को इसमें शामिल किया गया। देवगुड़ियों का निर्माण प्रारंभ हुआ और पहुंचने लगे हिन्दू साधु संत। इसके बाद से ही यहां बवाल मचा हुआ है। हिंसक घटनाएं हो रही हैं। पेनगुड़ी-देवगुड़ी विवाद खड़े किये जा रहे हैं। देवी-देवताओं को खतरे में बताया जा रहा है। इसके लिए जिम्मेदार ताकतों को पहचानना जरूरी है।

संपादकीय

अमेरिका पर दाग

अमेरिका में घृणा-जनित संस्कृति का फिर दुखद और शर्मनाक इजहार हुआ है। अमेरिका में एक हत्यारे ने गोलियां बरसाकर करीब 20 लोगों को मौत की नींद सुला दिया और कई को जख्मी कर दिया। बताते हैं कि तीन जगहों पर गोलीबारी करने के बाद हत्यारा घटनास्थल से निकल भागा। पुलिस उसे खोजने में लग गई और लोगों को घर के अंदर ही रहने की हिदायत जारी करनी पड़ी। अमेरिकी पुलिस इतनी लाचार हो गई कि उसे सहयोग के लिए आम लोगों से अपील करनी पड़ी। दरअसल, बंदूक की संस्कृति अमेरिका की एक बड़ी समस्या बन चुकी है। कोई भी सामान्य सा दिखने वाला आदमी हथियार लेकर आता है और अनेक लोगों की जान ले लेता है। अमेरिका के मेन राज्य के लेविस्टन में हुए हादसे का सबसे खराब पहलू यह है कि अनेक लोगों को भगदड़ की वजह से चोट लगी है। नरसंहार के कथित आरोपी 40 वर्षीय रॉबर्ट कार्ड को पुलिस ने हथियारबंद और खतरनाक व्यक्ति माना है, पर सवाल है कि क्या वह रातों-रात खतरनाक हुआ है? सूचना के अनुसार, हत्यारा रॉबर्ट कार्ड अमेरिकी सेना से जुड़ा है और आग्नेयास्त्र प्रशिक्षक है। उसके खिलाफ पहले भी कुछ शिकायतें मिली थीं। उसे मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्या भी थी। क्या उसे गंभीरता से न लेते हुए नरसंहार का मौका दिया गया है? इस नरसंहार ने अमेरिका को फिर झकझोर दिया है।

> “ कुछ ही दिनों पहले अमेरिका में अपराध के आंकड़े जारी हुए थे और हल्की खुशी महसूस की गई थी, मगर ताजा घटना ने उस खुशी को छीन लिया। अमेरिकी सुरक्षा एजेंसी के अनुसार, अमेरिका में हत्या के मामलों में 2021 की तुलना में 2022 में छह प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई थी। यह भी उम्मीद जताई गई थी कि चालू वर्ष में हिंसा में और कमी होगी, पर अमेरिका आज समीक्षा के लिए मजबूर है।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने मेन राज्य के राज्यपाल को हरसंभव संघीय मदद का आश्वासन दिया है। वाकई, अब समय आ गया है, जब अपने राज्यों के साथ मिलकर बाइडन सरकार को देश में बढ़ती घृणा का उपाय खोजना होगा। कुछ ही दिनों पहले अमेरिका में अपराध के आंकड़े जारी हुए थे और हल्की खुशी महसूस की गई थी, मगर ताजा घटना ने उस खुशी को छीन लिया। अमेरिकी सुरक्षा एजेंसी के अनुसार, अमेरिका में हत्या के मामलों में 2021 की तुलना में 2022 में छह प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई थी। यह भी उम्मीद जताई गई थी कि चालू वर्ष में हिंसा में और कमी होगी, पर अमेरिका आज समीक्षा के लिए मजबूर है। कोरोना के पहले वर्ष 2020 में अमेरिका में हिंसा कम हुई थी, मगर उसके मुकाबले साल 2022 में हिंसा में 25 प्रतिशत की बढ़त ने एजेंसियों को चिंता में डाल दिया है। दरअसल, अमेरिका अपने यहां नफ़रत रोकने के अभियान में नाकाम हो रहा है। एफबीआई की वार्षिक अपराध रिपोर्ट रेखांकित करती है कि बंदूक हिंसा बहुत व्यापक हो गई है। पिछले साल अमेरिका में लगभग पांच लाख हिंसक अपराधों में बंदूकों का इस्तेमाल किया गया था। वर्ष 2020 में बंदूक हिंसा अमेरिकी बच्चों की मौत का मुख्य कारण बन गई और 2022 में हालात और बदतर हो गए। जान गंवाने वाले बच्चों की संख्या 12 प्रतिशत बढ़ गई। अमेरिका घृणा और बंदूक हिंसा के गढ़ के रूप में पहचान बना रहा है। किसी सिख या किसी मुस्लिम बच्चे की हत्या हो या किसी अश्वेत पर बर्बरता, अमेरिका की स्थिति निंदनीय होती जा रही है। वहां समाज के साथ ही, सरकारों को भी हिंसा की संस्कृति के अंत के लिए गंभीर प्रयास करने पड़ेंगे। अमेरिका को अपनी बिगड़ती छवि के प्रति सजग होना चाहिए। जहां दुनिया अमेरिकी संस्कृति का अनुसरण करती है, वहीं अमेरिका तमाम देशों की सामाजिक व मानवाधिकार रिपोर्ट जारी करता है। अमेरिका अगर अपनी कथनी-करनी का भेद मिटाने की ओर बढ़े, तो उसके साथ-साथ दुनिया को ज्यादा फायदा होगा।

चंद्रयान-तीन और उड़ने वाले रथ की कहानियां!

चंद्रयान-तीन का चंद्रमा पर और खासतौर से उसके दक्षिणी ध्रुव की सतह पर उतरना नि:संदेह भारत के वैज्ञानिकों की बड़ी उपलब्धि है। अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में यह उपलब्धि मील का पत्थर है। इसलिए निश्चित रूप से भारत के लोगों को इसके बारे में बताया जाना चाहिए और छात्रों को स्कूलों में इसके बारे में पढ़ाया जाना चाहिए। तभी राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद यानी एनसीईआरटी ने स्कूली छात्रों के लिए चंद्रयान-तीन के बारे में विशेष रीडिंग मॉड्यूल तैयार करने की बात कही तो इसका चौतरफा स्वागत हुआ। एनसीईआरटी ने यह विशेष पाठ्य सामग्री तैयार कर दी है, जिसे 17 अक्टूबर को नई दिल्ली में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने जारी किया। अंग्रेजी के अखबार 'द हिंदू' की एक रिपोर्ट के मुताबिक इस पाठ्य सामग्री को लेकर विवाद शुरू हो गया है क्योंकि इसमें विज्ञान के साथ साथ मिथक कथाओं का घालमेल कर दिया गया है और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन, इसरो के वैज्ञानिकों की बजाय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का महिमामंडन ज्यादा किया गया है।

प्रधानमंत्री का महिमामंडन एक बात है लेकिन विज्ञान के साथ मिथक कथाओं को जोड़ने से बच्चों को बड़ा शैक्षणिक नुकसान हो सकता है। अगर सरकार स्कूली बच्चों को स्वतंत्र विषय के तौर पर मिथक कथाओं के बारे में पढ़ाना चाहती है तो वह बिल्कुल अलग बात है। वैदिक गणित से लेकर ज्योतिष और कर्मकांड आदि की शिक्षा के लिए अलग पाठ्यक्रम बनाए गए हैं और बड़े संस्थानों में भी अब उनकी पढ़ाई शुरू हो गई है। लेकिन विशुद्ध विज्ञान के साथ मिथक कथाओं को जोड़ने का बड़ा नुकसान हो सकता है। इससे बच्चों में वैज्ञानिक चेतना की बजाय अवैज्ञानिकता और अंधविश्वास बढ़ने का खतरा पैदा होगा। प्राचीन भारत में गर्व करने के लायक बहुत सी चीजें हैं उनके बारे में लोगों को बताया जाना चाहिए और उन पर गर्व भी किया जाना चाहिए लेकिन विज्ञान की किताब में यह बताने से कि प्राचीन काल में देवताओं के रथ उड़ते थे, बच्चों का भला नहीं होगा, उलटे उनका बड़ा नुकसान हो जाएगा। 'द हिंदू' की रिपोर्ट के मुताबिक एनसीईआरटी के विशेष रीडिंग मॉड्यूल की भूमिका में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की टिप्पणी का संदर्भ दिया गया है। प्रधानमंत्री ने इसमें चंद्रयान-तीन की सफल लैंडिंग के बारे में कहा है, 'क्या यह वैज्ञानिक उपलब्धि पहली बार अभी हासिल की गई है? क्या अतीत में ऐसा कभी नहीं हुआ? क्या अतीत में लोगों ने इसके बारे में नहीं सोचा था'? इसके बाद खुद ही जवाब देते हुए प्रधानमंत्री कहते हैं, 'वैमानिक शास्त्र: विमानों के विज्ञान में कहा गया है कि उड़ने वाले वाहनों के बारे में देश को पहले से पता था।' रीडिंग मॉड्यूल में आगे कहा गया है, 'भारत के सबसे प्राचीन ग्रंथ वेदों में कहा गया है कि कई देवताओं के पास पहियों वाले रथ थे, जिन्हें कोई न कोई पशु, ज्यादातर मामलों में घोड़े खींचते थे और ये रथ उड़ भी सकते थे'। सवाल है कि क्या वैमानिक शास्त्र में या वेद में विमान बनाने की जो विधि लिखी है उसी का इस्तेमाल करके इसरो के वैज्ञानिकों ने चंद्रयान का निर्माण किया? अगर नहीं तो इसके जिक्र से क्या हासिल होना है? बहरहाल, अगर चंद्रयान-तीन की उपलब्धि के बारे में बताते हुए बच्चों को यह पढ़ाया जाएगा कि अत्यंत प्राचीन काल में भारत के पास विमान की तकनीक थी और देवताओं के रथ उड़ते थे तो यह क्यों नहीं बताया जाए कि पहले तो चंद्रमा पर जाने की जरूरत ही नहीं थी क्योंकि चंद्रमा तो धरती पर आते रहते थे? प्राचीन हिंदू ग्रंथों में चंद्रमा से जुड़ी कई कहानियां मिलती हैं, जिनमें एक कहानी इंद्र, चंद्रमा, अहिल्या और महर्षि गौतम से जुड़ी है।

> “ किताबों में आवश्यक परिवर्तन को लेकर इस समिति का गठन किया गया था। समिति के प्रमुख सी आई आइजक का कहना है कि एनसीईआरटी की किताबों में भारत को अंधकारमय, विज्ञान और प्रगति से अनभिज्ञ बताया गया है, जिसमें बदलाव किया जाना चाहिए। मगर सरकारी या स्वायत्त संस्थाओं की मजबूरी यह भी है कि उनको खुद को शासन के अधीन ढालना पड़ता है।

स्कूलों में 'भारत' नाम को तरजीह

के एल शर्मा, पूर्व कुलपति और शिक्षाविद

इन दिनों कोई पहली बार 'भारत' और 'इंडिया' में विभेद नहीं किया जा रहा। जिस वक्त देश को आजादी मिली थी, तभी यह महसूस किया गया था कि समाज में एक वर्ग ऐसा है, जो कहीं अधिक पढ़ा-लिखा और साधन-संपन्न है। इस वर्ग को संभ्रांत माना गया और 'इंडिया' शब्द इसके लिए प्रयोग किया जाने लगा। बेशक तब कुल जनसंख्या में इस वर्ग की हिस्सेदारी महज सात फीसदी थी, जो अब बढ़कर 30 फीसदी तक हो गई है, लेकिन माना यही गया था कि जो अंग्रेजी पढ़ता है, शहरों में रहता है, वह इंडिया है। शेष आबादी, यानी जो गांवों में बसती है, आधुनिक और अंग्रेजी परंपरा से दूर है, तुलनात्मक रूप से पिछड़ी है, कम शिक्षित है और शहरीकरण के लाभों से दूर है, वह 'भारत' है। इंडिया और भारत का यह अंतर संरचनात्मक था, जिसमें एक विशेषाधिकार प्राप्त वर्ग था, तो दूसरा वंचित।

इस अंतर को समाजशास्त्र की किताबों में ही नहीं, साहित्य में भी खूब परिभाषित किया जाता रहा है। विकास को समझाने के क्रम में 'इंडिया' और 'भारत' के उदाहरण दिए जाते रहे हैं। मगर इन दिनों जो विभेद किया जा रहा है, उसके राजनीतिक निहितार्थ ज्यादा निकाले जा रहे हैं। लोगों का लगता है कि यह पूरा मसला तब शुरू हुआ, जब देश के विपक्षी दलों ने अपने गठबंधन का नाम 'भारतीय राष्ट्रीय विकासात्मक समावेशी 'गठबंधन' रखा और जब संक्षिप्त में इसे 'इंडिया' कहने लगे। इसके बाद से ही इंडिया बनाम भारत पर राजनीति जोर-शोर से होने लगी है, जिसमें पक्ष और विपक्ष, सभी शामिल हो गए हैं।

यह तर्क दिया जा रहा है कि 'इंडिया' नाम से गुलामी का एहसास होता है। इसे ब्रिटिश औपनिवेशिक परंपरा का वाहक बताया जा रहा है, और कहा जा रहा है कि हमें अपनी संस्कृति से जुड़े नाम ही अपनाने चाहिए, यानी 'भारत' हमारे लिए ज्यादा मुफीद है। जाहिर है, यहां 'भारत' का अर्थ पिछड़ेपन के संदर्भ में नहीं है। सांस्कृतिक अस्मिता से जोड़ते हुए इसे राजनीतिक रंग दिया जा रहा है। जबकि, भारत अथवा भारतमाता के क्या निहितार्थ हैं, इसे प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने अपनी किताब डिस्कवरी ऑफ इंडिया में स्पष्ट किया है। उनके मुताबिक, पहाड़, जंगल, नदियां निश्चित तौर पर सभी के लिए प्रिय हैं, लेकिन जो मायने रखता है, वह है भारत के लोग। तो, भारतमाता मूलत: भारत के लोग ही हैं, जिनकी तरक्की और खुशहाली मायने रखती है। लिहाजा, जब तक आम लोगों को विकास के पायदान पर ऊपर नहीं उठाया जाएगा, तब तक नामकरण की कोई भी कवायद सार्थक नहीं मानी जाएगी। एनसीईआरटी के पास आया नाम बदलने का प्रस्ताव भी कुछ-कुछ ऐसा ही है। अगर एनसीईआरटी आइजक समिति के इस प्रस्ताव को मान भी लेती है, तब भी इससे आम भारतवासी के उत्थान में शायद ही कोई मदद मिल सकेगी।

किताबों में आवश्यक परिवर्तन को लेकर इस समिति का गठन किया गया था। समिति के प्रमुख सी आई आइजक का कहना है कि एनसीईआरटी की किताबों में भारत को अंधकारमय, विज्ञान और प्रगति से अनभिज्ञ बताया गया है, जिसमें बदलाव किया जाना चाहिए। मगर सरकारी या स्वायत्त संस्थाओं की मजबूरी यह भी है कि उनको खुद को शासन के अधीन ढालना पड़ता है। बेशक, एनसीईआरटी को भारत नाम ज्यादा जंच रहा हो, पर बहुत से शिक्षाविदों को इंडिया को एकदम से भारत कर देने का विचार बहुत व्यावहारिक नहीं जान पड़ता है। बदलाव ऐसे करना चाहिए कि बच्चों के पठन-पाठन में फायदा हो।

वक्त का तकाजा यही है कि बच्चे आधुनिक शिक्षा से लैस किए जाएं। निस्संदेह, उनको एक हद तक पुरानी बातें बताई जा सकती हैं, क्योंकि उनसे भी हमें कई तरह की शिक्षा मिलती है, लेकिन आज के दौर में वे बहुत ज्यादा प्रासंगिक नहीं रह गई हैं। हमें वैज्ञानिक शिक्षा की जरूरत है। सूचना प्रौद्योगिकी में नए-नए नवाचार की दरकार है। कम्प्यूटरीकृत दुनिया को हमें साकार बनाना है। बजाय इसके पुरातन शिक्षा की वकालत की जा रही है। भले ही वेद-पुराण भी ज्ञान के भंडार हैं, लेकिन अपनी कथित जड़ों की ओर लौटने का अब वक्त नहीं रहा। अगर हम पीछे की ओर लौटेंगे, तो जाति-धर्म, पूजा-पाठ, कर्मकांडों की भी वकालत की जाएगी। इनमें मौजूद ज्ञान को अपनाने का भी विशेष आग्रह किया जाएगा। जबकि, दुनिया के तमाम विकसित देश इन सबसे ऊपर उठ चुके हैं। वे आधुनिक शिक्षा के प्रसार को लेकर नई-नई नीतियां बना रहे हैं। हमें भी ऐसा ही करना चाहिए।

बदलाव के पक्षधरों को तैयार रहना चाहिए, सवाल पूछा जाएगा कि इंडिया को भारत करने से आखिर क्या फायदा होगा? इससे भारत की दशा-दिशा कितनी बदल जाएगी? क्या इससे हमारी पितृ-सत्तात्मक मानसिकता में परिवर्तन आएगा? क्या इससे यहां की गरीबी-भुखमरी कम हो जाएगी? इतना ही नहीं, कल यदि इसी तरह गुरुकुल की पैरोकारी की जाने लगे, तो हमारी क्या नीति रहेगी? मैं यहां नकारात्मक नहीं हो रहा। यह वास्तव में एक वैज्ञानिक भाव है। जरूरी है कि हम अपनी ऊर्जा सही जगह खर्च करें। काम तो वही कारगर माना जाएगा, जो लोगों के जीवन-स्तर को बेहतर बनाएगा। आज गरीबी-भुखमरी-बेकारी आदि पर बात ज्यादा होनी चाहिए। जिस शहर में मैं रहता हूं, वहां एक कच्ची बस्ती है जवाहर नगर। वहां कई शौचालय बनाए गए, लेकिन आज वे शायद ही इस्तेमाल के लायक हैं। नतीजतन, वहां से गुजरना मुश्किल हो जाता है। अगर विमर्श ही करना है, तो इन बस्तियों में रहने वाले लोगों की बेहतरी पर चर्चा करनी चाहिए। नाम बदलने के साथ हमें मूलभूत सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में भी बढ़ना होगा।

ऐसा नहीं है कि अन्य देशों के नाम नहीं बदले गए हैं। हमारे पड़ोस में ही वर्मा का नाम बदलकर म्यांमार कर दिया गया। सीलोन भी श्रीलंका बन गया। मगर इन सबका भावनात्मक पहलू भी है। राजनीतिक होने के बावजूद भावनात्मक ढंग से नाम बदला गया। यह राजनीति का विषय नहीं है, इससे बचना चाहिए। होना तो यह चाहिए कि हमें पुरातन भारत को, जिसका उल्लेख समाजशास्त्री करते हैं, आधुनिक व पूरी तरह से विकसित बनाना चाहिए। नाम बदलने की सार्थकता भी तभी है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

शरीफ की सही सलामत वतन वापसी के बाद पाकिस्तान

राजीव डोगरा, पूर्व राजनयिक

पाकिस्तान की विशेषता यह है कि वहां की आश्चर्यजनक घटनाएं भी विस्मियत नहीं करतीं। पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की वतन-वापसी भी एक ऐसी ही घटना है। अच्छी बात है कि वह लौट आए हैं और अदालत से उनको राहत भी मिलने लगी है, पर इसकी क्या परिणति होगी, इसका जवाब आने वाले महीने बताएंगे। अगर जनवरी, 2024 के आम चुनाव टल गए और वहां मार्शल लॉ लगा दिया गया, तो शायद आगामी कई महीनों-वर्षों तक हम इसका जवाब नहीं ढूंढ़ सकेंगे।

बहरहाल, यह सुखद है कि नवाज शरीफ सही सलामत पाकिस्तान लौट आए हैं। लोकतंत्र का हिमायती कोई भी इंसान उनकी वापसी का स्वागत ही करेगा, फिर चाहे वह पाकिस्तान का नागरिक हो या किसी अन्य मुल्क का। लोग यही समझ सके हैं कि उनकी खता वैसी नहीं थी कि उन्हें इतनी सख्त सजा दी जाए। असल में, उनके बेटे ने अपनी कंपनी में उनको शामिल किया और इसके एवज में उन्होंने एक पैसे भी नहीं लिए, बावजूद इसके उन्हें जेल भेज दिया गया। जाहिर है, इमरान खान ने बेहद निम्न स्तर की राजनीति की, जबकि अपने कार्यकाल में नवाज शरीफ ने उनको कोई नुकसान नहीं पहुंचाया था। वैसे पाकिस्तानी सियासत का यह मूल चरित्र बन गया है। खून-खराबा, नफा-नुकसान व उपकार-अपकार की राजनीति वहां हावी है। यही वजह है कि मियां नवाज के मुल्क लौटने का स्वागत तो किया जा रहा है, पर यह उम्मीद नहीं की जा रही कि लोकतंत्र अब वहां अपनी जड़ें जमा सकेगा। ऐसा होता, तो अंतरिम प्रधानमंत्री अनवारुल हक काकर आज भी फौज के गुण नहीं गा रहे होते।

यह सही है कि नवाज शरीफ ने कभी फौज की शान में बहुत कसीदे नहीं पढ़े। ऐसे में, यह कयास गलत नहीं कि अगर वह चौथी बार पाकिस्तान के प्रधानमंत्री बनते हैं, तो उनकी कोशिश यही होगी कि चुनी हुई सरकार पर फौजी हुक्मरां हावी न होने पाएं। देखा जाए, तो पाकिस्तान में

नवाज शरीफ और बेनजीर भुट्टो जैसे अलग मिजाज के अब एकाध ही नेता हैं। इमरान खान प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप से फौज के हाथों में खेलते रहे। लिहाजा, पाकिस्तानी अवाम ही नहीं, फौज भी सोच रही होगी कि यदि नवाज शरीफ को फिर से मौका मिलता है, तो क्या वह सेना से सीधी टक्कर लेंगे? हालांकि, नवाज शरीफ को तत्काल जमानत मिल जाना या चुनावी भाषण देना यह संकेत है कि फौज ने उनके प्रति कुछ नरमी बरती है। इसके एवज में 'डीप स्टेट' ने उनसे कुछ उम्मीदें भी बांधी होंगी। क्या वह उन पर खरे उतर सकेंगे?

इसी से जुड़ा एक सवाल यह है कि जनवरी में बनने वाली नई सरकार क्या मुल्क की जर्जर अर्थव्यवस्था सुधार सकेगी? फिलहाल, तो ऐसा नहीं दिख रहा। हां, उनके वापस लौटने से एक भरोसा बना है, लेकिन ऐसी उम्मीदें हालात बदलने में कितना कारगर हो सकेंगी, इसे देखना होगा। रही बात दूसरे देशों, विशेषकर भारत के साथ रिश्तों की, तो इसमें भी कई किंतु-परंतु हैं। वहां वही पुराना राग गाया जाएगा और अंदरूनी चुनौतियों से पार पाने के लिए आतंकवाद को खाद-पानी देने और अवाम का ध्यान मूल मुद्दे से भटकाने का प्रयास होगा। अलबत्ता, आशावादी लोग कह सकते हैं कि यदि मियां नवाज सत्ता में आते हैं, तो वह इस पारी को जाया नहीं जाने देंगे, क्योंकि यह उनका आखिरी शासनकाल हो सकता है। लिहाजा, द्विपक्षीय व्यापार और शांतिपूर्ण माहौल बनाकर वह भारत से सौहार्दपूर्ण संबंध बनाने का प्रयास कर सकते हैं। मगर दिक्कत यह है कि वह जब भी गद्दी पर बैठते हैं, उनका ध्यान इस कदर बंटता है कि उनकी नीति कब कौन-सी मोड़ लेगी, यह कहना मुश्किल होता है।

सेना प्रमुख असीम मुनीर ने कहा भी है कि भारत से पाकिस्तान के संबंध नरम नहीं बनने वाले। चीन को यह मुल्क अपना तारणहार माने बैठा है। इस कारण संभवत: रूस के साथ उसके रिश्ते थोड़े ठीक रह सकते हैं। रही बात अमेरिका की, तो यह काफी कुछ इजरायल-हमास के ताजा संघर्ष से तय होगा। अगर इस जंग का विस्तार हो गया, तो पाकिस्तान अमेरिका के खिलाफ जा सकता है।

जाहिर है, आने वाले दिनों में पाकिस्तान जिस किसी मोड़ पर पहुंचेगा, वह कोई नया नहीं होगा। वह वही राह होगी, जिससे वह कई बार गुजर चुका है। अटककर रुक जाना शायद अब उसकी तकदीर बन चुकी है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

गुस्साएं 45 करोड अरबी, आशंकित हुक्मरान

श्रुति व्यास

अरब लोग नाराज हैं। ये दो दर्जन से ज्यादा देशों में फैले कोई 45 करोड़ है। उनकी सहानुभूति फिलिस्तीन के साथ है। अरबी लोग फिलिस्तीन के पक्ष में खुल कर बोल रहे हैं। वे 24 घंटे टीवी से चिपके रहते हैं और सोशल मीडिया पर कभी खत्म न होने वाली चर्चा में हमास के भयावह हमले, जिसे उन्होंने 'प्रिजन ब्रेक' (जेल तोड़ना) का नाम दिया है, पर अपनी-अपनी बात कहते हुए हैं। उनके पोस्ट, बताते हैं कि वे हमास के बर्बर हमले के जबरदस्त समर्थक हैं। उनकी निगाह में इजराइल एक 'युद्ध अपराधी' है।

वैसे कुछ अरब देशों ने इजराइल के साथ सामान्य संबंध बनाए हुए हैं। इनमें मिस्र और जॉर्डन शामिल हैं। इन्होने क्रमश: 1979 और 1994 में इजराइल को मान्यता दी थी। फिर 2020 में अब्राहम समझौतों पर हस्ताक्षर किए। लेकिन पिछले हफ्ते अम्मान में इजराइली दूतावास में घुसने की कोशिश कर रहे प्रदर्शनकारियों और जॉर्डन की पुलिस के बीच भिड़ंत हुई। बेरूत मे भी अमेरिका के दूतावास पर पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प हुई। पिछले दो शुक्रवारों से मिस्र में लोग फिलिस्तीनियों को विस्थापित कर दूसरी जगह बसाने की इजराइल की रणनीति के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। मोरक्को में हजारों लोगों ने यह नारा लगाते हुए जुलूस निकाला कि इजराइल के साथ संबंधों को सामान्य बनाने की कोई भी कोशिश

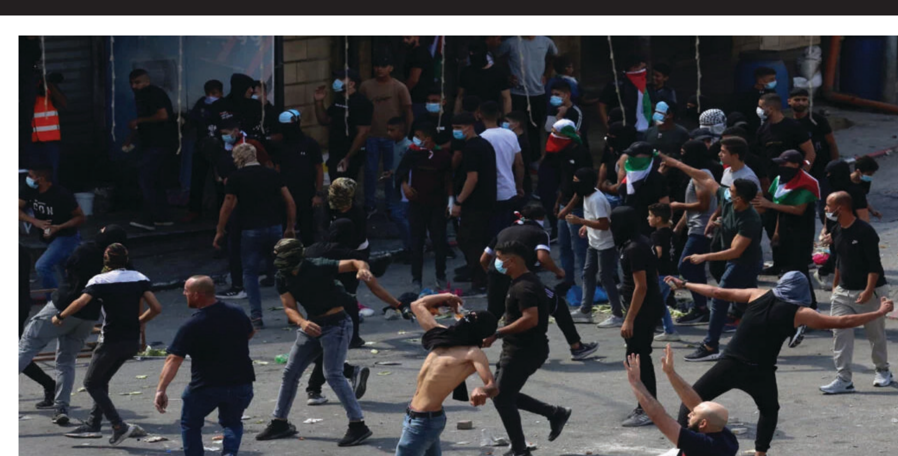

अपराध मानी जाए। रबात में इजराइल का लिईसों आफिस बंद हो गया है। उसके कर्मचारियों को वापस भेज दिया गया है। बहरीन में इजरायली दूतावास की ओर बढ़ रहे प्रदर्शनकारियों को पुलिस को तितर-बितर करना पड़ा। अगर सूडान अपने स्वयं के युद्ध में उलझा न होता तो वहां भी निश्चित रूप से उसी प्रकार के विरोध प्रदर्शन होते जैसे वहां की सरकार द्वारा सन् 2020 में इजराइल से सामान्य संबंध कायम करने के बाद हुए थे। इस सब की आशंका पहले से थी। फिलिस्तीनियों की उनकी ज़मीन से बेदखली पूरे मध्यपूर्व में एक बड़ा राजनैतिक मुद्दा है। इस पर लोगों को गोलबंद करना, उन्हे भड़काना काफी आसान होता है। लेकिन पहले के टकरावों, जैसे गाजा में सन् 2014 में हुए 50 दिन के युद्ध, की तुलना में इस बार पूरे क्षेत्र में अधिक घबराहट है। यह क्षेत्र आर्थिक दृष्टि से अधिक अस्थिर हो गया है और भावनात्मक ध्रुवीकरण बढ़ा है जिससे अरब देशों की सरकारों के लिए भी खतरा उत्पन्न हो गया है। इसलिए ये विरोध प्रदर्शन अब सिर्फ फिलिस्तीन के मुद्दे पर केन्द्रित नहीं हैं। बल्कि ऐसे संकेत हैं कि जो गुस्सा पहले दबा दिया गया था, वह दुबारा जोर पकड़ सकता है।

मिस्र एक कमजोर सरकार की कमान में आर्थिक संकट से जूझ रहा है। मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी ने एक पूरे दिन फिलिस्तीन-समर्थक प्रदर्शनों की अनुमति देकर इस आक्रोश को अपने प्रति समर्थन में बदलने का प्रयास किया था। परन्तु उनका पांसा उल्टा पड़ गया। पूर्व निर्धारित स्थानों को छोड़कर लोग तहरीर स्क्वायर पहुंच गए जहां उन्होंने रोटी, आज़ादी और सामाजिक न्याय मांगते हुए वही नारे लगाए जो 2011 के प्रदर्शनों में लगाए जाते थे। तहरीर स्क्वायर एक प्रसिद्ध स्थल है और वहां नारेबाजी से निश्चित ही सरकार घबरा गई होगी।

जोर्डन भी आर्थिक दृष्टि से कमजोर हो गया है।यहां भी सऊदी अरब की तरह राजतंत्र है और निरंकुश, गैर-जवाबदेह शासन की बेरहमी को संतुलित करने के लिए सरकार तुष्टिकरण, अनुदान, संरक्षण और उत्पीड़न का सहारा लेती है, जो अमूमन इस तरह की सरकारों का आधार होता है। कतर, जहां हमास का राजनैतिक कार्यालय है, अलबत्ता शक्तिशाली है और तेजी से आगे बढ़ रहा है। पिछले दशक में वह प्राकृतिक गैस का सबसे बड़ा निर्यातक बना है, और यूरोप को किए जाने वाले निर्यात में रूस का विकल्प बनने के लिए अमरीका से प्रतियोगिता कर रहा है।

अरब इलाके में इजराइल के संरक्षक अमेरिका काअब पहले जैसा प्रभाव नहीं है। तभी दुनिया नेदेखा। कि अमेरिका के चाहने के बावजूद राष्ट्रपति बाईडन जोर्डन में शिखर वार्ता नहीं कर पाएं। एंटोनी ब्लिंकन के प्रति जरा सी भी गर्मजोशी नहीं दिखाई गई। लेबनान पिछले कुछ वर्षों से गंभीरतम आर्थिक संकट से गुजर रहा है। वह दिवालिया हो चुका है और दुनिया के सबसे अधिक ऋण-जीडीपी अनुपात वाले देशों में शामिल है। लेबनान के प्रधानमंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि वहां युद्ध होने की संभावना है। लेबनानियों को चिंता है कि शक्तिशाली शिया सैन्य संगठन हिजबुल्लाह इजराइल के खिलाफ दूसरा मोर्चा खोल देगा, जिससे उनका देश सन् 2006 की तरह एक तबाही लाने वाले युद्ध में फंस जाएगा। इनके अलावा ईरान भी है। खाड़ी के देशों को ईरान की नाराजगी की भी चिंता है क्योंकि उन्हें डर है कि ईरान के मुख़्तार कहीं रियाद या अबूधाबी पर हमलावर न हो जाएं। कुल मिलकर यह केवल इजराइल के लिए अस्तित्व का संकट नहीं है बल्कि कई अरब देशों के शासकों को भय है कि उनकी भी यही स्थिति है। अब आक्रोश सिर्फ फिलिस्तीन के इलाके में और सिर्फ उसके मसले तक सीमित नहीं है। वह एक चिंगारी बन गया है। अरब देशों को डर इस बात का है कि इजराइल-हमास युद्ध कहीं इस क्षेत्र में अरब स्प्रिंग -सीजन 2 का मार्ग प्रशस्त न कर दे।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट,
दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान
विज्ञापन के लिए संपर्क करे:-
9827806026,
7869620239

Sargam
Musicals
Deals in All Kinds of
Musical Instrument
Sales & Repair

DURG:-
Near Tarun Adlabs
Station Road, Durg (C.G.)
Durg, Ph. 2330588, 9826660688

RAIPUR:-
Near Manju Mamta
Reaustaurant, M.G. Road
Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति
मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी

JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

कलेक्टर ने धान उपार्जन के लिए अधिकारियों की ली बैठक

गरियाबंद। जिले में खरीफविपणन वर्ष 2023-24 में शासन द्वारा 01 नवंबर 2023 से 31 जनवरी 2024 तक समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन किया जायेगा। समर्थन मूल्य पर धान कॉमन 2183 रूपये प्रति क्विंटल एवं धान ग्रेड ए 2203 रूपये प्रति क्विंटल की दर से क्रय किया जायेगा। इस संबंध में कलेक्टर श्री आकाश छिकारा की अध्यक्षता में विगत दिनों संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में समीक्षा बैठक आयोजित किया गया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री अविनाश भोई, जिला खाद्य अधिकारी श्री सुधीर गुरू, कृषि विभाग, सहकारिता विभाग, नागरिक आपूति निगम, मार्कफेड, नोडल अधिकारी, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के जिला अधिकारी पर्यवेक्षक एवं सुपरवाईजर तथा जिले धान उपार्जन केन्द्रों के नोडल अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में बताया गया कि जिले के 67 समितियों के 90 धान उपार्जन केन्द्रों के माध्यम से धान उपार्जन किया जायेगा। कलेक्टर ने धान उपार्जन के संबंध में अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि धान का उपार्जन समर्थन मूल्य पर पंजीकृत कृषकों से औसत अच्छी किस्म का क्रय करे। धान खरीदी के लिए सभी अधिकारी, समिति प्रबंधक एवं उपार्जन केन्द्र प्रभारी को व्यक्तिगत रूचि लेते हुए धान उपार्जन करने को कहा।

माइक्रो आब्जरवर्स को दिया गया प्रशिक्षण

दंतेवाड़ा। आज जिला कार्यालय के सभाकक्ष में माइक्रो आब्जरवर्स की प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया था। इस दौरान मास्टर ट्रेनर्स श्री आलोक सोनवानी ने माइक्रो आब्जरवर्स को मतदान प्रक्रिया को निष्पक्ष और पारदर्शिता के साथ सम्पन्न कराने के लिये ईव्हीएम हैंड्स आन सहित मतदान प्रक्रिया की हरेक पहलुओं के बारे विस्तृत जानकारी दी। साथ ही उन्होंने मतदान दलों को मतदान प्रक्रिया के पूर्व की तैयारी, माकपोल, मतदान प्रक्रिया और मतदान समाप्ति के पश्चात के सभी कार्यों के बारे में विस्तारपूर्वक प्रशिक्षण को जरूरी बताते हुए माइक्रो आब्जरवर्स को मतदान दिवस पर पोलिंग बूथ की हर गतिविधियों की निगरानी रखने सहित रिपोर्ट तैयार किये जाने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि माइक्रो आब्जरवर्स सीधे तौर पर आब्जर्वर को रिपोर्ट करते हैं।

सुव्यवस्थित मतदान के लिए मतदान अधिकारियों को दिया गया द्वितीय प्रशिक्षण

सुकमा। भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशन में मतदान अधिकारियों को सुव्यवस्थित मतदान हेतु आयोग के नियमों एवं प्रावधानों की जानकारी मास्टर टेनर्स द्वारा दो दिवसीय ट्रेनिंग प्रदान की जा रही है। गुरुवार को ट्रैनिंग का दूसरा दिवस था। जिला मुख्यालय सुकमा में स्वामी आत्मानंद हिंदी मीडियम स्कूल कुम्हाररास में विधानसभा निर्वाचन 2023 हेतु मतदान अधिकारियों को द्वितीय प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर द्वारा निर्वाचन सामग्री प्राप्त करने, इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन को हैंडल करने ईव्हीएम को सीलिंग करने, प्रपत्रों को भरने एवं सामग्री को व्यवस्थित कर जमा करने की जानकारी दी गई। संजीव कुमार और कलेक्टर एवम् जिला निर्वाचन अधिकारी हरिस.एस ने स्वामी आत्मानंद हिंदी मीडियम स्कूल कुम्हाररास में महिला मतदाताओं की विशेष सहायता तथा सहूलियत के लिए बनाए जा रहे संगवारी मतदान केंद्र में ड्यूटी हेतु महिला मतदान अधिकारियों के प्रशिक्षण का भी निरीक्षण किया।

त्योहारी सीजन में अब प्याज रुलाने को तैयार, 60 रुपए किलो तक पहुंची कीमत

थोक सब्जी करोबारियों का अनुमान, आगे और बढ़ सकते हैं दाम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। त्योहारी सीजन में अब प्याज रुलाने को तैयार है। रसोई का बजट बिगाड़ने की झलक दिखने लगी है। कुछ ही दिनों में प्याज की कीमतों में जबरदस्त उछाल आया है। सप्ताहभर पहले 35 रुपये किलो तक बिकने वाला प्याज इन दिनों 60 रुपये किलो पहुंच गया है। सब्जी के थोक कारोबारियों का कहना है कि प्याज की आवक काफी कमजोर हो गई है और आने वाले दिनों में कीमतों में और तेजी के आसार हैं। ऊपरी मार्केट में ही प्याज की कीमतों में तेजी है।

बाजार के जानकारों का कहना है कि पिछले दिनों हुई बारिश के चलते प्याज की फसल भी खराब हुई है। इसके साथ ही अब इसकी आवक कमजोर हो गई है। इसका असर ही कीमतों में देखने को मिल रहा है। वहीं व्यापारियों का कहना है कि बाजार में त्योहारी मांग काफी बढ़ गई है और अब धीरे-धीरे इसकी जमाखोरी भी शुरू होने लगी है। इसका असर भी कीमतों में दिखने लगा है। हालांकि आलू की कीमतों में स्थिरता बनी हुई है और आलू 25 रुपये किलो तक बिक रहा है।

आधी हुई प्याज की आवक

बीते सप्ताह तक रोजाना प्याज की 30 से 35 गाड़ियां आ रही थी, जो वर्तमान में 15 से 18 गाड़ियां हो गई है। कारोबारियों का कहना है कि एक ओर आवक आधी हो गई है। वहीं प्याज की की मांग में जबरदस्त तेजी आ गई है। इसे देखते हुए आने वाले दिनों में कीमतें और बढ़ सकती है। थोक सब्जी मार्केट के कारोबारियों का कहना है कि प्याज की आवक काफी कमजोर हो गई है और आने वाले दिनों में इसका असर कीमतों में और देखने को मिल सकती है। प्याज की कीमतें और बढ़ सकती हैं।

कुछ दिन पहले तक टमाटर ने रुलाया था

बता दें कुछ दिन पहले तक बाजार में टमाटर ने रुलाया था। अचानक से टमाटर की कीमतें 200 रुपए प्रतिकिलो तक पहुंच गई थी। टमाटर की आवक कमजोर होने के कारण देशभर में यह स्थिति निर्मित हुई। आलम यह था कि लोगों ने टमाटर खरीदना ही छोड़ दिया। जो लोग सप्ताह में पांच किलो टमाटर लेते थे वे एक किलो से काम चलाने लगे। लगभग एक से डेढ़ माह तक टमाटर की कीमतें अपने उच्चतम स्तर पर रही। इसके बाद आवक बढ़ी तो दाम कम होना शुरू हुआ। अब प्याज को लेकर कहा जा रहा है कि नई फसल आने तक इसकी दरों में तेजी रहेगी।

घर बैठे जाने कि मतदाता सूची में आपका नाम है या नहीं

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारत निर्वाचन आयोग ने सूचना प्रौघोगिकी का बेहतरीन उपयोग करते हुए मतदाताओं को घर बैठे उनका मतदाता सूची में नाम होने की जानकारी उपलब्ध कराई है। कोई भी मतदाता अपने मोबाईल और कम्प्यूटर में इंटरनेट का उपयोग करते हुए निर्वाचन आयोग की वेबसाईट इलोक्टोरोलसर्च डॉट ईसीआई डॉट जीओवी डॉट इन https//electoralsearch.eci.gov.in में जाकर बड़ी आसानी से अपने तथा अपने परिवार के मतदाता सूची देख सकता है। सूची देखने के साथ ही उसका प्रिन्ट भी लिया जा सकता है। अब इस कारण यदि किसी मतदाता के घर उसकी मतदाता पर्ची नहीं पहुंची हो तो वह इस वेबसाईट का भी उपयोग कर सकता है।

वेबसाईट में मतदाता का नाम ढूंढ़नें के लिए व्यक्तिगत जानकारी और अपने निवास स्थल की जानकारी होनी चाहिए। इसके अंतर्गत मतदाता सूची में दो तरीकों से नाम देखा जा सकता है। पहला मतदाता पहचान पत्र (ईपीक कार्ड) व्दारा और दूसरा मोबाईल नंबर के माध्यम से।

वेबसाईट में नाम ढूंढ़ने के लिए व्यक्ति को अपने राज्य का नाम, भाषा का चयन, मतदाता का प्रथम व मध्य नाम उपनेम (सरनेम) रिश्तेदार का प्रथम नाम, उपनाम,जन्म तिथि, आयु, लिंग, जिला, विधानसभा क्षेत्र की जानकारी होनी चाहिए। पहले विकल्प के रुप में मतदाता पहचान पत्र व्दारा जानकारी प्राप्त करने के लिए भाषा का चयन, ईपीक कार्ड का नंबर और राज्य का नाम लिखना होगा। इसके बाद कैपचा कोर्ड अंकित कर सर्च का बटन दबाना होगा। इसके तुरंत कुछ ही सेकेन्ड में मतदाता के नाम का विवरण आ जाएगा। इसमें मतदाता का नाम, रिश्तेदार का नाम, राज्य जिला, विधानसभा का नाम, मतदान केन्द्र का नाम, मतदाता का सूची का क्रमांक दिखाई देगा। अंत में इसी विवरण को पूरा देखन व प्रिन्ट लेने के लिए व्यूह डिटेल्स को क्लिक करने पर वोटर पोर्टल सर्विस में मतदाता का पूरा विवरण दिखाई पड़ेगा।

मोबाईल फोन व्दारा नाम देखें: दूसरे विकल्प के रुप में मोबाईल फोन नंबर व्दारा मतदाता सूची में नाम देखने के लिए मोबाईल में खोजें विकल्प में जाना होगा। इसमें भी राज्य का नाम और भाषा का चयन करना होगा। इसके बाद मतदाता का मोबाईल नंबर डाल कर सेन्ड ओटीपी करना होगा। इसके बाद मोबाईल फोन में प्राप्त ओटीपी को अंकित करना होगा। ओटीपी अंकित करते ही मतदाता का विवरण सामने आ जाता है। यही भारत निर्वाचन आयोग की इस वेबसाईट में चुनाव अधिकारियों का नाम,पद तथा फोन नंबर भी दिया गया ताकि मतदाता यदि चाहे तो चुनाव अधिकारियों की मदद ले सकता है।

विभिन्न स्थानों में किया गया मतदाता जागरूकता अभियान का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

गरियाबंद। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन आकाश छिकारा के निर्देशानुसार जिले में आगामी विधानसभा आम निर्वाचन 2023 के दौरान जिले में शत प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करने हेतु आज जिले के विभिन्न स्थानों में मतदाता जागरूकता का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत आज शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज गरियाबंद में मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया मतदाता एवं आम नागरिकों को अनिवार्य रूप से अपने मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की गई।

युवा मतदाताओं ने सभी प्रकार के निर्वाचनों में अनिवार्य रूप से अपने मताधिकार का प्रयोग करने की शपथ भी ली। इस दौरान विद्यार्थियों ने मतदाता जागरूकता पर आधारित रंग-बिरंगे रंगोली बनाकर आम लोगों को सभी प्रकार के निर्वाचनों में अनिवार्य रूप से अपने मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की। आम नागरिकों एवं मतदाताओं को अनिवार्य रूप से अपने मताधिकार का प्रयोग करने हेतु प्रेरित किया।

जिले में 22 नामांकन पत्र दाखिल 47 नामांकन आवेदन लिए गए

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर जिले में विधानसभा निर्वाचन-2023 के अंतर्गत आज सातों विधानसभा में 22 नाम निर्देशन पत्र दाखिल किए गए। धरसींवा विधानसभा क्रमांक-47 में 04, रायपुर ग्रामीण विधानसभा क्रमांक-48 में 03, रायपुर पश्चिम विधानसभा-49 में 01, रायपुर उत्तर विधानसभा क्रमांक-50 में 04, रायपुर दक्षिण विधानसभा क्रमांक-51 में 02, आरंग विधानसभा क्रमांक-52 में 05, अभनपुर विधानसभा क्रमांक-53 में 03 नाम निर्देशन पत्र दाखिल किए गए। इस प्रकार अब तक कुल 45 नामांकन दाखिल कर दिए गए हैं।

आज गुरूवार को कुल 47 नाम निर्देशन पत्र लिए गए। इनमे धरसींवा विधानसभा क्रमांक-47 के लिए 05 ,रायपुर ग्रामीण विधानसभा क्रमांक-48 के लिए 05, रायपुर पश्चिम विधानसभा-49 के लिए 06, रायपुर उत्तर विधानसभा क्रमांक-50 के लिए 03, रायपुर दक्षिण विधानसभा क्रमांक-51 के लिए 21, आरंग विधानसभा क्रमांक-52 के लिए 02 और अभनपुर विधानसभा क्रमांक-53 के 05 नाम निर्देशन पत्र शामिल हैं। आज कुल नामांकन पत्र दाखिल करने वाले अभ्यर्थी के नाम इस प्रकार हैं- धरसींवा विधानसभा में इंडियन नेशनल कांग्रेस के छाया वर्मा, निर्दलीय मनोज वर्मा, निर्दलीय रवि कुमार वर्मा, अभनपुर विधानसभा के भारतीय जनता पार्टी के इन्द्र कुमार साहू और इंडियन नेशनल कांग्रेस से धनेन्द्र साहू ने नामांकन पत्र दाखिल किए हैं।

वीवीपैट कमिशनिंग कार्य का दिया गया प्रशिक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। विधानसभा सामान्य निर्वाचन 2023 को समयबद्धता, पारदर्शिता एवं त्रुटिरहित सम्पन्न कराने हेतु जिले में निर्वाचन कार्य अंतर्गत नियुक्त किये गये सभी सेक्टर ऑफिसर, मास्टर ट्रेनर एवं ईव्हीएम, व्हीव्हीपैट कमिशनिंग कार्य हेतु संलग्न अधिकारी-कर्मचारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है।

इसी कड़ी में आज जिला पंचायत के सभाकक्ष में जिला मास्टर ट्रेनर डॉ. एम. एम. जोशी द्वारा विधानसभा कोरबा एवं पाली-तानाखार के मास्टर ट्रेनरों व सेक्टर ऑफिसर्स को ईवीएम मशीन का प्रशिक्षण दिया गया।

ट्रेनिंग में मतदान प्रक्रिया के लिए कमीशनिंग की आवश्यकता के साथ ही ईवीएम और वीवीपैट मशीन को तैयार करने की विस्तृत जानकारी दी गई। इस अवसर पर कोरबा निगमायुक्त सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई, उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती सीमा पात्रे, डिप्टी कलेक्टर सरोज महिलांगे सहित सम्बन्धित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

प्रशिक्षण में जिला मास्टर ट्रेनर डॉ. जोशी ने कहा कि ईवीएम संचालित करने का जितना अच्छा प्रशिक्षण मास्टर ट्रेनर लेंगे, उतने ही बेहतर ढंग से पीठासीन अधिकारियों व अन्य निर्वाचन में लगे कर्मचारियों को प्रशिक्षित कर सकेंगे। उन्होने कहा कि ईवीएम के प्रत्येक बिंदु की जानकारी होने से निर्वाचन कार्य कराने में आसानी होगी। डॉ जोशी ने कहा कि निर्वाचन हेतु एम-3 वोटिंग मशीनों का प्रयोग किया जा रहा है। जिसमें एक कन्ट्रोल यूनिट (सीयू) से 24 बैलेट यूनिट (बीयू) को जोड़ा जा सकता है एवं एक बीयू में अधिकतम 16 कैण्डीडेट सेट किये जाते हैं और इस प्रकार 24 बैलेट यूनिट में कुल 384 कैण्डीडेट सेट किये जा सकते हैं। इसी प्रकारी उनके द्वारा बैलेट यूनिट, कंट्रोल यूनिट, व्हीव्हीपैट के संचालन करने के साथ ही प्रत्येक मशीनों को एक दूसरे से केबल कनेक्शनों से कनेक्ट करना, सील करना, मतदान पत्र लगाना, मॉक पोल, विभिन्न प्रपत्रों सहित अन्य गतिविधियों की विस्तार से जानकारी दी गई।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 142वीं तिमाही समीक्षा (ई) बैठक संपन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 142वीं तिमाही समीक्षा (ई) बैठक, दिनांक 26 अक्टूबर 2023 को कार्यपालक निदेशक पवन कुमार की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। बैठक में समस्त कार्यपालक निदेशकगण तथा संयंत्र के सभी विभाग प्रमुखगण माननीय सदस्य के रूप में ऑनलाइन उपस्थित थे।

इस अवसर पर अपने उद्बोधन में कार्यपालक निदेशक पवन कुमार ने कहा कि हिंदी हमारे हृदय की भाषा है। हिंदी को हमारे संविधान में राजभाषा का दर्जा प्राप्त है। अत: हिंदी हमारी राजभाषा ही नहीं, वरन यह हमारे देश की

राष्ट्रव्यापी भाषा है। भिलाई इस्पात संयंत्र हिंदी भाषी 'क' क्षेत्र में शामिल है, अत: भारत सरकार द्वारा 100 प्रतिशत कार्यालयीन कामकाज हिंदी में करने के लिए निदेशित किया गया है। हमें इसके शत-प्रतिशत अनुपालन की दिशा में यथेष्ट प्रयास करना है। हिंदी के आयोजनों में भाग लेने के लिए हम अपने सभी साथियों को अधिकाधिक प्रेरित करें ताकि हिंदी का अधिकाधिक प्रचार-प्रसार हो।

वर्तमान समय में सरकार द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर भी हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। विगत 14 व 15 सितम्बर 2023 को पुणे (महाराष्ट्र) में हिंदी दिवस एवं दो दिवसीय तृतीय अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन का आयोजन किया गया। शीर्ष स्तर पर जब ऐसे अभिनव प्रयास किए जा रहे हैं, तो हमारा भी दायित्व है कि, हम अपनी ओर से हिंदी के प्रचार-प्रसार की दिशा में व्यक्तिगत व सामूहिक प्रयास करें। हमारी संस्कृति में हिंदी रची-बसी है, अत: हिंदी हमारे लक्ष्यों की प्राप्ति में भी सहायक है। हिंदी सीखना आसान है, बोलना और समझना भी आसान है।

उप महाप्रबंधक (संपर्क व प्रशासन एवं प्रभारी राजभाषा) श्री सौमिक डे ने स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत करते हुए हिंदी के प्रगामी प्रयोग को प्रोत्साहन का श्रेय समस्त विभाग प्रमुखगण को दिया और कहा कि, आप सब के प्रयासों के फलस्वरूप हमने हिंदी में पत्राचार के प्रतिशत में वृद्धि दर्ज की है।

ॐ साईं राम
माँ पुस्तक भंडार

होलसेल में कापी-किताब एवं स्टेशनरी सामान मिलने का एक मात्र स्थान
पुरानी एवं नई पुस्तकें खरीदी व बेची जाती है
रावणभाटा, सुपेला, भिलाई (छ.ग.)
मो. 7489051024, 7770845578

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales
8959493000
A Leela Electronics
9425507772
Reena Electronics
9329132299
Shree Electronics
7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

रेलवे ने इस साल यात्रियों को लौटाया डेढ़ करोड़ रुपए से ज्यादा का गुम सामान, ऑपरेशन अमानत के तहत रेलवे सुरक्षा बल की पहल

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के तीनों मंडलों में कुल 848 यात्रियों को मिला उनका गुम सामान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में इस वर्ष रेल के सुरक्षा बल ने 'ऑपरेशन अमानत के तहत 848 यात्रियों को 1 करोड़ 73 हजार रुपए मूल्य के गुम सामान वापस लौटाया है। इसके अंतर्गत बिलासपुर डिविजन में 398 यात्रियों को 49 लाख 73 हजार रुपए का, रायपुर डिविजन में 312 यात्रियों को 86 लाख 82 हजार रुपए का तथा नागपुर डिविजन में 128 यात्रियों को 36 लाख 99 हजार रुपए का छूटा हुआ सामान वापस लौटाया है। गुम सामान मिलने के बाद यात्रियों के चेहरों पर रौनक लौटी क्योंकि उन्हे विश्वास ही नहीं था कि कभी उनका सामान मिल जाएगा।

बता दें भारतीय रेल में रोजाना करोड़ों लोग सफर करते हैं और अपने गंतव्य पर पहुंचते हैं। यह सभी वर्गों के यात्रियों का ध्यान रखते हुए उन्हें सर्वश्रेष्ठ सेवाएं प्रदान करती है। इस कड़ी में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे यात्रियों को सुविधाजनक, आरामदायक और सुरक्षित रेल सेवाएं देने के लिए सभी जरूरी कदम उठाती है। यात्रा के दौरान यात्री अपने सामान के साथ यात्रा करते हैं लेकिन कई बार या तो वे अपना सामान ट्रेन अपने सीट पर ही भूल जाते हैं या कई बार उनका सामान गुम हो जाता है। स्टेशन पर ट्रेन रूकते ही यात्री सबसे पहले अपने परिवार के लोगों को चढ़ाते या उतारते है। इसके बाद सामान को रखने की प्रक्रिया शुरू कर देते हैं, लेकिन जल्दबाजी में उनका कुछ सामान कभी-कभी ट्रेन या प्लेटफॉर्म पर छूट जाता है। इन समस्याओं के निवारण हेतु दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में 'आपरेशन अमानत' के तहत रेलवे सुरक्षा बल दिन-रात पूरी जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्य का निर्वहन कर रही है।

सामान छूट जाए तो ऐसे करें शिकायत

रेलवे यात्रियों को उनके छूटे सामान को वापस करने के लिए रेल सुरक्षा बल दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे नई पहल की है। यात्रियों का यदि कोई सामान ट्रेन में छूट जाता है तो रेलवे सुरक्षा बल उसे सुरक्षित स्थान पर रखती है। गुम हुये सामान के लिए यात्रियों को हेल्पलाइन नंबर 139 पर काल कर अपनी शिकायत दर्ज करानी होती है या स्टेशन पर संबन्धित कार्यालयों में अपनी समस्या दर्ज़ करनी होती है। रेलवे सुरक्षा बल के जवान सामान की रिकवरी कर सत्यापन के बाद सामान संबन्धित यात्री को वापस सौंपते हैं। इसके अतिरिक्त गुम हुए सामान के बारे में जानने के लिए सबसे पहले यात्री को दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रेलवे की वेबसाइट पर जाना होता है। इसके बाद 'Passenger and Freight Services' पर क्लिक करना होगा। अब यात्री को संबंधित रेल डिविजन पर क्लिक करना होगा, जिसके बाद यात्री को रेल सुरक्षा बल के पास के पास रखे हुए सभी सामान की डिटेल्स मिल जाएंगी। यात्री अपने सामान की पहचान कर संबंधित डिविजन के रेल सुरक्षा बल के कार्यालय से संपर्क करके अपना सामान वापस प्राप्त कर सकते हैं।

खास खबर...

राजभवन के अधिकारी-कर्मचारियों को मिला अग्नि दुर्घटना से बचाव का प्रशिक्षण

रायपुर (ए)। कार्यालय, घरों में आकस्मिक अग्नि दुर्घटना होने पर रोकथाम एवं बचाव के लिए गुरुवार को राजभवन के अधिकारियों-कर्मचारियों को अग्निशमन विभाग की टीम ने प्रशिक्षण दिया।प्रशिक्षण में बताया गया कि आग कितने प्रकार की होती है। किस प्रकार की आग से बचाव के लिए कौनसा अग्निशमन यंत्रो का प्रयोग किया जाता है। बिजली से लगने वाली आग से कैसे बचें, कार्यालय में आग लगने की दशा में कैसे बचाव करें और इसकी रोकथाम के उपाय बताए गये। वाहनों में किस प्रकार अग्निशमन यंत्र रखा जाए यह बताया गया। घर में एलपीजी गैस सिलेंडर, कढाई में तेल से आग लगने की दशा में बाल्टी, कम्बल से आग बुझाने के तरीके प्रदर्शन के माध्यम से बताएं गये। खुद पर एवं अन्य व्यक्ति पर लगे आग को कैसे बुझाएं इसका भी प्रशिक्षण दिया गया। राजभवन परिसर में आयोजित इस प्रशिक्षण में जिला सेनानी दुर्ग नागेंद्र सिंह, फायर स्टेशन टिकरापारा रायपुर के सहायक उपनिरिक्षक दीपक कौशिक, अनिल साहू, रोशन सिंह, फायर मैन जितेंद्र भट्ट, विजय चौरागढ़े और हरीश पाल द्वारा प्रशिक्षण दिया गया।

आत्मानंद स्कूल के राहुल ने जीता रजत व कांस्य पदक

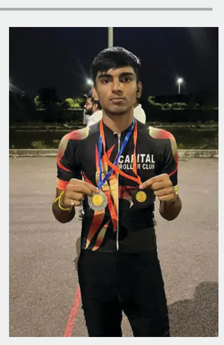

रायपुर। 23वीं राज्य स्तरीय प्रतियोगिता केपीएस स्कूल सरोना में आयोजित की गई। 20 अक्टूबर से 23 अक्टूबर तक होने वाले इस आयोजन में स्वामी आत्मानंद स्कूल तिल्दा नेवरा के कक्षा ग्यारहवीं के छात्र राहुल यादव ने रोलर स्केटिंग 1000 मीटर में कांस्य और 3000 मीटर में रजत पदक हासिल किया।

इस प्रतियोगिता में 100 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में बिलासपुर, दुर्ग, राजनांदगांव व अन्य राज्यों से प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इसमें से स्वामी आत्मानंद स्कूल तिल्दा-नेवरा से राहुल यादव ने रजत पदक द्वितीय स्थान और कांस्य से पदक तृतीय स्थान पर जीतकर अपने स्कूल को गौरवान्वित किया।

कलेक्टर ने किया सुविधा केन्द्र का अवलोकन

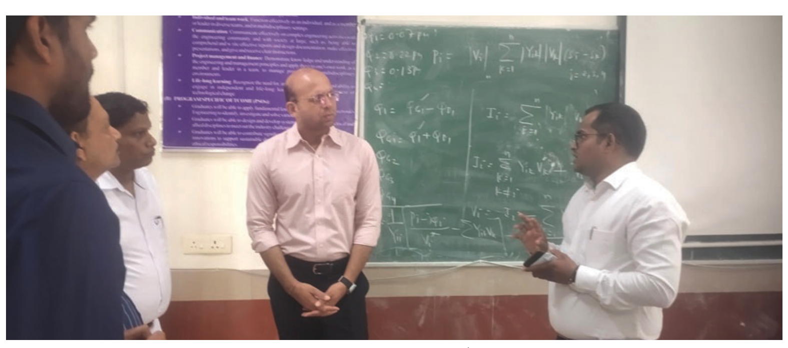

रायपुर (ए)। विधानसभा निर्वाचन-2023 में निर्वाचन कार्य में संलग्न, अनिवार्य सेवाएं में पदस्थ अधिकारियों कर्मचारियों को पोस्टल बैलेट की सुविधा दी जाएगी। मगर इस बार वे अपना मतपत्र डाक के माध्यम से देने के बजाय मतपेटी में डालेंगे। इसके लिए सुविधा केन्द्र (फैसलिटेट सेंटर) बनाएं जा रहे हैं। इस फैसलिटेट मतपेटी रखी जाएगी, जहां अधिकारी कर्मचारी डाक मतपत्र डालकर अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। यह सेंटर उन्ही स्थानों में बनाई जाएगी जहां पर उन्हें प्रशिक्षण दिया जा रहा है। अभी 13 केन्द्र बनाए जा रहे है। आवश्यकतानुसार केन्द्र की संख्या बढाई जाएगी। कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर भुरे ने सुविधा केन्द्र का अवलोकन किया और कहा कि जिन्हे पोस्टल बैलेट से मतदान करना है उन्हे अच्छी तरह प्रशिक्षित कर जानकारी दें। समय पर उन्हे डाक मतपत्र प्रदान करें। पोस्टल बैलेट के प्रभारी संयुक्त कलेक्टर ब्रजेश क्षत्रिय ने बताया कि जिन अधिकारी-कर्मचारी को पोस्टल बैलेट के माध्यम से मतदान करना है वे प्रारूप 12 में आवेदन करेंगे जिसके आधार पर उन्हें पोस्ट बैलेट दिया जायेगा। साथ ही वे अपना नाम मतदाता सूची मे सर्च कर सकते है, उसमे लिखा मतदाता क्रमांक व मतदान केंद्र का नाम स्पष्ट रूप से लिखकर अपने प्रशिक्षण केन्द्र मे देना होगा, जिससे उन्हें पोस्टल बैलेट जारी हो पायेगा, शेष निर्वाचन कार्यालय के पोस्टल बैलेट टीम को उपलब्ध करायी।यथासंभव परंतु मतदान तिथि से अधिकतम 1 सप्ताह पूर्व तक प्रपत्र 12 में डाक मतपत्र के लिए आवेदन करना होगा। आवेदक को प्रपत्र 13-ए, 13-बी, 13-सी और एक मतपत्र मिलेंगे जिसमें 13-बी और 13-सी लिफाफे हैं। प्रपत्र 13-ए घोषणा पत्र है जिसमें आवेदक-मतदाता को अपने मतपत्र का सरल क्रमांक और अन्य जानकारी सुसंगत स्थान पर भरना चाहिए। लिफाफा 13-बी (जिस पर कवर-ए लिखा होगा) पर भी मतपत्र का क्रमांक लिखें। प्रपत्र 13-ए को किसी राजपत्रित अधिकारी से सत्यापित करवाएं, यदि आप स्वयं राजपत्रित अधिकारी हैं तो आप अन्य मतदाताओं की घोषणाएं सत्यापित कर सकते है। परंतु स्वयं का नही कर सकते है।

आचार संहिता के बाद छत्तीसगढ़ में अब तक 32 करोड़ से ज्यादा की अवैध संपत्ति जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव को लेकर जिला प्रशासन मुस्तैद है। किसी भी प्रकार की अवैध संपत्ति के परिवहन को लेकर जांच दल अलर्ट है। प्रदेश के सभी जिलों में निगरानी दलों द्वारा सघन जांच की जा रही है। राज्य में आदर्श आचार संहिता लागू होने से लेकर 25 अक्टूबर तक की स्थिति में 32 करोड़ 75 लाख रुपए की अवैध धन राशि तथा वस्तुएं जब्त की गई है, जिसमें 8 करोड़ 54 लाख रुपए की नगद राशि शामिल हैं।

बता दें मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रीना बाबा साहेब कंगाले ने विधानसभा निर्वाचन 2023 में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक प्रतिबंधात्मक कार्यवाही किए जाने के संबंध में सभी जिलों के जिला निर्वाचन अधिकारियों और पुलिस अधीक्षकों को आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए हैं। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के निर्देश के बाद सभी जिलों में पुलिस व निगरानी दलों द्वारा सघन रुप से जांच की जा रही है।

25 हजार 101 लीटर अवैध शराब जब्त

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रवर्तन एजेंसियों (इन्फोर्समेंट एजेंसीज) द्वारा निगरानी के दौरान 25 अक्टूबर तक की स्थिति में 25 हजार 101 लीटर अवैध शराब जब्त की गई है, जिसकी कीमत 76 लाख रूपए है। साथ ही 2946 किलोग्राम अन्य नशीली वस्तुएं जिसकी कीमत लगभग 2 करोड़ 47 लाख रुपए है भी जब्त किया गया है। सघन जांच अभियान के दौरान 14 करोड़ 46 लाख रूपए कीमत के 181 किलोग्राम से अधिक कीमती आभूषण तथा रत्न भी तलाशी के दौरान जब्त किया गया है। इसके अतिरिक्त अन्य सामग्रियां जिनकी कीमत 6 करोड़ 50 लाख रुपए है भी जब्त की गई हैं।

10854 लाइसेंसी हथियार जमा

निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा निर्देशों के परिपालन में 12499 लाइसेंसी हथियारों में 10854 हथियार जमा किये गये हैं, 3 जब्त किये गये हैं और 28 कैंसल किये गये हैं। आर्म्स एक्ट के अंतर्गत 1354 प्रकरण बनाये गये हैं और इसके अंतर्गत 1411 हथियार जब्त किये गये हैं। 81 लोगों को जिलाबदर किया गया है। एमवी एक्ट के अंतर्गत 4 लाख 74 हजार 84 प्रकरणों में 20 करोड़ 71 लाख 7 हजार 384 रुपए की कार्रवाई की गई है। प्रतिबंधात्मक कार्यवाही अंतर्गत 1 लाख 49 हजार 478 प्रकरणों में 1 लाख 91 हजार 108 व्यक्तियों पर कार्यवाही की गई है तथा 1 लाख 13 हजार 210 बाउंड ओवर किये गये हैं।

बीएसएफ में चयन होने पर युवा हरिकांत को दी विदाई

रायपुर। ग्राम मुड़तराई कोपरा निवासी युवा हरिकांत साहू का चयन बीएसएफ में हुआ है। उनके बीएसएफ में चयन होने पर ग्रामवासियों व परिजनों ने उन्हें बधाई देते हुए देशसेवा के लिए जम्मू कश्मीर रवाना होने पर विदाई दी। गांव के युवक का बीएसएफ में चयन होने से परिजनों में खुशी का माहौल है। ड्यूटी ज्वाइन करने से पहले गांव के युवाओं व परिवार के लोगों और दोस्तों ने हरिकांत साहू का सम्मान कर विदा किया। इस दौरान सरपंच जेंजरा हीरामनी साहू, पूर्व सरपंच नीलेश्वरी साहू, पहल नवयुवक मंडल के अध्यक्ष हुलासराम साहू, कुर्मी समाज के जिलाध्यक्ष पुरंदर वर्मा, टिकेश्वर साहू, लेखराम साहू, सालिक साहू, पिंटू वर्मा, पीतांबर साहू, रमाकुमारी साहू, संगीता साहू शामिल रहे।

चाक-चौबंद व्यवस्था के बीच दुर्गा प्रतिमाएं विसर्जित

दक्ष कमान सेंटर और दो दर्जन कैमरों से हुई निगरानी

रायपुर (ए)। रायपुर में दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन शांतिपूर्ण व व्यवस्थित ढंग से हुआ। विसर्जन स्थल महादेव घाट में अब तक एक हजार से अधिक बड़ी प्रतिमाएं विसर्जित हो चुकी है। जिला प्रशासन के तय मापदंडों के अनुरूप ध्वनि विस्तार यंत्रो के प्रयोग को नियंत्रित किये जाने से आम नागरिकों को ध्वनि प्रदूषण से इस बार बड़ी राहत मिली। रायपुर में दुर्गा पूजा एवं प्रतिमा विसर्जन के लिए नगर निगम द्वारा चाक-चौबंद व्यवस्था की गई, प्रतिमाओं का विसर्जन 23 अक्टूबर से लगातार किया गया। इसके लिए कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे के मार्ग दर्शन में नगर निगम कमिश्नर मयंक चतुर्वेदी ने व्यवस्थाओं के संचालन के लिए रायपुर जिला प्रशासन, पुलिस, यातायात सहित अन्य विभागों से समन्वय की जिम्मेदारी अपर आयुक्त विनोद पांडेय को दी थी।

कलेक्टर-एसएसपी की निगरानी में प्रशासन व पुलिस ने निभाई बड़ी जिम्मेदारी शांतिपूर्ण ढंग से प्रतिमाआ विसर्जन के लिए कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रशांत अग्रवाल के निर्देशन में पर्याप्त बल की तैनाती महादेवघाट व शहर में की गई थी। इसके चलते बिना किसी अप्रिय घटना के शांति व सद्भावना पूर्वक प्रतिमाएं विसर्जित हुईं।

निगम आयुक्त ने सभी जोन को सौंपी थी जिम्मेदारी

व्यवस्था निर्धारण हेतु जोन क्र. 8 के जोन कमिश्नर अरुण ध्रुव के नेतृत्व में सभी 10 जोन के अधिकारियों को विभिन्न पालियों में विसर्जन स्थल पर उनकी टीम के साथ तैनात किया गया था।

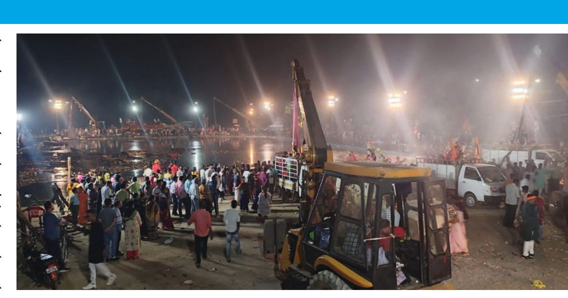

दुर्गा प्रतिमाएं पूर्ण आस्था के साथ शांतिपूर्ण, सुरक्षित व व्यवस्थित रूप से विसर्जित हो सके, इसके लिए दो दर्जन से अधिक सीसीटीवी कैमरों से पूरे विसर्जन स्थल की निगरानी रखी गई, विसर्जित मूर्तियो के ढांचा, पूजन सामग्री व अन्य अवशेष इस बार विसर्जन कुंड से तुरंत निकालने की व्यवस्था नगर निगम द्वारा पहली बार की गई, जिससे कुंड का पानी प्रदूषण मुक्त रहा एवं आसपास फूल वह अन्य पूजा सामग्रियों का ढेर न होने से विसर्जन क्षेत्र पूरी तरह साफ सुथरा रहा। 30 गोताखोर,6 क्रेन और एन डी आर एफ की टीम रही मौके परश्रद्धालुओं की सुरक्षा हेतु भी इस बार विशेष दस्ते तैनात किए गए। नगर निगम के 30 गोताखोर व एनडीआरएफ की टीम भी मौके पर पूरे समय तैनात रही। महादेव घाट में मूर्तियों के विसर्जन हेतु पूरे समय 6 क्रेन की व्यवस्था भी नगर निगम प्रशासन ने कर रखी थी, जिस वजह से विसर्जन की पूरी प्रक्रिया सुगमता पूर्वक संपन्न होती रही।जिला प्रशासन की देखरेख में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने एंबुलेंस के साथ विसर्जन स्थल पर पूरे समय अपना कैंप कर 24 घंटे लगातार अपनी सेवाएं दी। श्रद्धालुओं को पेयजल, प्रसाधन की सुविधा देने पर्याप्त टैंकर व मोबाइल टॉयलेट की व्यवस्था उक्त स्थल पर रखी गई, साथ ही पूरे क्षेत्र में निर्बाध रोशनी हेतु नगर निगम द्वारा अपनी विभागीय व्यवस्थाओं के साथ राज्य विद्युत मंडल की सेवाएं भी विसर्जन स्थल पर ली गई। ट्रैफिक व्यवस्था दुरुस्त होने से नहीं लगा जामप्रतिमा विसर्जन के दौरान आवागमन बाधित न हो, इसके लिए स्थानीय पुलिस व यातायात विभाग ने पूरे मार्ग पर एवं रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के दक्ष कमान सेंटर के हाई टेक कैमरों के माध्यम से विसर्जन स्थल, आवागमन व जनसमूह की लगातार निगरानी की गई। जिला प्रशासन की सख्ती से डीजे का शोर रहा नियंत्रितरायपुर जिला प्रशासन द्वारा ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण प्रबंधों हेतु विशेष दिशा निर्देश जारी किए गए थे, जिसका पालन सुनिश्चित कराने हेतु नगर निगम व पुलिस की टीम की समझाईश का असर भी व्यापक तौर पर दिखा एवं बिना शोर शराबे के शांतिपूर्ण ढंग से प्रतिमाएं विसर्जन कुंड तक पहुंची।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

बार-बार गर्दन में होने वाले दर्द को हल्के में न लें क्योंकि हो सकते हैं कैंसर के संकेत

खराब खानपान और लाइफस्टाइल की वजह से कैंसर हमारी जिंदगी में आग की तरह फैल गई है। आजकल आए दिन आप किसी न किसी कैंसर को लेकर चर्चे सुन ही लेंगे। हालांकि, मेडिकल साइंस में इतनी तरक्की होने के बावजूद अब तक इसका कोई परफेक्ट इलाज नहीं मिल पाया है। रिपोर्ट के मुताबिक साल 2020 में एक करोड़ से ज्यादा लोगों की मौत का जिम्मेदार कैंसर हैं। इस आंकड़ें पर गौर करें तो हर 6 व्यक्ति में से एक की मौत कैंसर की वजह से होती है।

कैंसर के शुरुआती संकेत बेहद आम होते हैं। अगर कैंसर का पता शुरुआत में ही चल जाए तो इसका इलाज आसानी से किया जा सकता है। गर्दन का दर्द एक बहुत ही आम समस्या है। इसके कई कारण हो सकते हैं जैसे गलत मुद्रा आदि। यह कोई गंभीर समस्या नहीं है, लेकिन अगर यह दर्द लंबे समय तक बना रहे या ठीक न हो तो यह एक संकेत हो सकता है। गंभीर समस्या। गर्दन में बार-बार दर्द होना गर्दन और सिर के कैंसर का लक्षण हो सकता है। जानिए क्या हैं इसके लक्षण और जोखिम कारक।

गर्दन के कैंसर के लक्षण क्या हैं?

हमारी जीवनशैली के कारण गर्दन का दर्द एक बहुत ही आम समस्या बन गई है। बैठने की गलत मुद्रा के कई कारण हैं जैसे बहुत देर तक गर्दन झुकाकर बैठना। मांसपेशियों में खिंचाव या गलत मुद्रा में सोना जिससे आपकी गर्दन में दर्द हो सकता है। चिंता की बात तब भी हो जाती है जब यह दर्द बार-बार होने लगे या ठीक न हो। बार-बार गर्दन में दर्द रहना गर्दन या सिर के कैंसर का लक्षण हो सकता है।

गर्दन के कैंसर के प्रमुख लक्षण निम्नलिखित हैं-

- गला खराब होना
- सिरदर्द
- गर्दन का दर्द जो दूर नहीं होता
- सांस लेने या बोलने में परेशानी होना
- मुँह में या जीभ पर छाला जो ठीक न हो
- जबड़े या गर्दन की सूजन
- नाक से खून आना
- कान में दर्द या संक्रमण
- निगलने या चबाने में कठिनाई
- ऊपरी दातों या चेहरे में दर्द
- लार में खून

गर्दन के कैंसर के जोखिम कारक क्या हो सकते हैं?

एचपीवी संक्रमण:- एचपीवी संक्रमण से गर्दन का कैंसर होने की संभावना होती है। इसलिए इसका टीका लेना बहुत जरूरी है।

खतरनाक रसायनों के संपर्क में आना:- अपने काम के कारण आपको पेंट, लकड़ी की धूल आदि की गंध के संपर्क में काफी समय बिताना पड़ सकता है। इससे गर्दन और सिर का कैंसर हो सकता है। इसलिए ऐसे रसायनों से बचने का प्रयास करें।

सेहत का खजाना है केला, खाने से दूर हो सकती हैं कई तरह की बीमारियां

केला खाने से एक-दो नहीं बल्कि 80 तरह की बीमारियां दूर हो सकती है। यह काफी पौष्टिक और फायदेमंद फल है। इसे खाने से शरीर ताकतवर बनता है और कई तरह समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है। हालांकि, कई बार यह खतरनाक भी हो सकता है और सेहत को नुकसान पहुंचाने लगता है। यही कारण है कि आयुर्वेद में कुछ लोगों को केला खाने से मना किया जाता है। आइए जानते हैं किन लोगों को केला भूलकर भी नहीं खाना चाहिए।

केला कितना फायदेमंद

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक, केला सेहत का सच्चा दोस्त होता है। यह पौष्टिक तत्वों का खजाना होता है। इसमें विटामिन सी, फाइबर, पोटैशियम, मैंगनीज, विटामिन बी 6, एंटीऑक्सीडेंट ग्लूटाथियोन, फेनोलिक्स, डेल्फिडिनिन, रुटिन और नारिंगिन पाया जाता है, जो वात पित्त दोष को बैलेंस करने का काम करते हैं। आयुर्वेद कहता है कि वात के बिगड़ने से करीब 80 तरह की बीमारियां हो सकती हैं। इसमें ड्राइनेस, हड्डियों में गैप, कब्ज जैसी कई समस्याएं हैं। इसलिए केला खाने से इन सभी से बचा जा सकता है।

केला किसके लिए फायदेमंद

वैसे तो केला हर किसी को फायदेमंद माना जाता है। हालांकि, आयुर्वेद के अनुसार, केले की प्रकृति ठंडा होता है और यह पचने में हैवी होता है। केला लुब्रिकेशन का काम भी करता है। अगर किसी की बॉडी ड्राई रहती है या हमेशा थकान लगती है तो उसे केला खाना चाहिए। इसके अलावा अच्छी नींद न आने, गुस्सा आने, बहुत प्यास लगने, शरीर जलन होने पर केला खाना चाहिए।

केला से किसे करना चाहिए परहेज

आयुर्वेद के मुताबिक, केला कफ दोष को बढ़ा देता है। इसलिए जिनका कफ ज्यादा है, उन्हें केला गलती से भी नहीं खाना चाहिए। क्योंकि कफ के बढ़ने से जठराग्नि कमजोर है तो यह उसे स्लो कर देगा। अगर किसी की चर्बी ज्यादा है, खांसी-जुकाम की समस्या है और कोई दमा का मरीज है तो उसे केला नहीं खाना चाहिए।

बार-बार मीठा खाने का करता है मन तो समझ जाएं शरीर के अंदर हो रही है गड़बड़ी

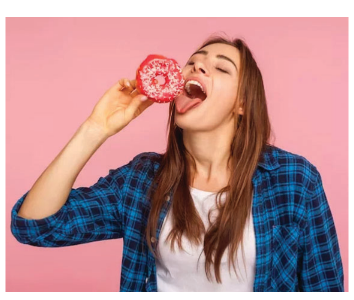

शुगर क्रेविंग किसी को भी कभी भी हो सकती है। लेकिन जब आपकी क्रेविंग तलब की तरह हो जाए तो फिर सोचने वाली बात है। कई रिसर्च में यह बात सामने आ चुकी है कि कभी-कभी चीनी की क्रेविंग हो सकती है। लेकिन अगर यह आपके साथ बार-बार हो रहा है तो फिर आपको डॉक्टर से एक बार जरूर मिलना चाहिए। जैसा कि आपको पता चीनी की तुलना सफेद जहर से की गई है। वहीं गुड़ को शरीर के लिए फायदेमंद बताया गया है। ज्यादा चीनी खाने से स्ट्रेस, नींद की कमी, खराब लाइफस्टाइल बढ़ते हैं। दिन पर दिन चीनी की खपत बढ़ रही है। ज्यादा चीनी खाने से दांत खराब होने लगते हैं।

चीनी की तुलना स्ट्रीट ड्रग्स से की गई है

बार-बार अगर चीनी खाने का मन कर रहा है तो यह अच्छी बात नहीं है। रिसर्च के मुताबिक चीनी को कुछ स्ट्रीट ड्रग्स की तरह ही नशे की लत की तरह माना जाता है। ज्यादा चीनी खाने का दिमाग के लिए काफी ज्यादा नुकसानदायक है। साथ ही दांत की केविटी, टाइप-2 डायबिटीज, दिल की बीमारी सहित कई शरीर से जुड़ी बीमारी घेर लेती है।

मैग्नीशियम की कमी

सबसे पहली बात आपको जानना होगा कि आपको किस टाइप की मीठे की क्रेविंग हैं? यदि आपको चॉकलेट खाने का मन कर रहा है। तो इसका मतलब यह हो सकता है कि आपके शरीर में मैग्नीशियम की कमी है, जो इन दिनों वास्तव में एक आम कमी है। चॉकलेट की लालसा का एक प्लस साइड भी है। रिसर्च के मुताबिक डार्क चॉकलेट वास्तव में एंटीऑक्सिडेंट से भरपूर होती है जो आपके स्वास्थ्य में सुधार कर सकती है और हृदय रोग के खतरे को कम कर सकती है। यह आपके हेल्थ को नुकसान पहुंचाने के बगैर फायदे जरूर पहुंचा सकती है।

अन्य पोषक तत्व या विटामिन की कमी

यदि आपको फल खाने के मन कर रहा है तो इसका साफ अर्थ है कि आपके शरीर में आयरन विटामिन, और एंटीऑक्सीडेंट की कमी है। इसलिए आपको बार-बार फल खाने का मन कर रहा है।

बीपी में उतार-चढ़ाव

यदि आपको अचानक से मिठाई खाने का मन कर रहा है तो इसका साफ अर्थ है कि आपका बीपी ऊपर- नीचे हो रहा है। जब आपका बीपी लो होता है तो आपको मीठे खाने का मन करता है। ऐसे में डॉक्टर हमेशा यह सलाह देते हैं कि अगर आपको ऐसी लालसा होती है तो खाने में प्रोटीन और फाइबर खूब खाएं। ज्यादा से ज्यादा फलियां और सेम खाएं।

ज्यादा चीनी हमारे शरीर की प्रोटीन को खराब कर देती है

ज्यादा चीनी खाने से यह हमारी खून में घुलने लगती है और शरीर के प्रोटीन के साथ मिल जाती है। जिसके कारण स्किन पर एजिंग दिखने लगती है। चीनी प्रोटीन को खराब करके कोलेजन और इलास्टिन को खराब कर देती है। जिसके कारण स्किन में ड्राइनेस और स्किन पर झुर्रियां दिखाई देने लगती है।

रवि तेजा अद्भुत अभिनेता और बेहतर इंसान हैं: नुपुर सेनन

हालिया रिलीज टाइगर नागेश्वर राव से डेब्यू करने वाली एक्ट्रेस नुपुर सेनन ने अपने को-स्टार व तेलुगु सुपरस्टार रवि तेजा की प्रशंसा की है। एक्ट्रेस ने कहा है कि वह एक अद्भुत अभिनेता होने के साथ-साथ एक अद्भुत इंसान भी हैं। टाइगर नागेश्वर राव के लिए निर्देशक वामसी ने नुपुर सेनन को फाइनल करने से पहले फिल्म में कास्ट करने के लिए 200-300 लड़कियों का ऑडिशन लिया था।

बता दें, नूपुर बॉलीवुड स्टार कृति सेनन की बहन हैं और उन्हें टाइगर नागेश्वर राव में शानदार काम के लिए काफी पॉजिटिव रिस्पांस मिल रहा है।

रवि के साथ काम करने के अपने अनुभव को साझा करते हुए नूपुर ने कहा, यह एक मैजिकल एक्सपीरियंस था। वह एक अद्भुत अभिनेता और बेहतर इंसान हैं। मैंने उनको लेकर सोचा था कि वह सीरियस टाइप के इंसान होंगे और कम बातें करते होंगे, लेकिन मैं गलत थी। पहले दिन से, वह मेरी सोच से बिल्कुल अपोजिट निकले। वह अपनी वैनिटी में कम ही रहते हैं, हमेशा सेट पर लोगों से बातचीत करते रहते हैं।

एक्ट्रेस ने कहा, मैं यह देखकर हैरान थी कि उनकी हिंदी कितनी शानदार है। वह मुझसे हिंदी में बात करते थे। वह एक सिक्योर एक्टर हैं। वह मदद के लिए हमेशा आगे रहते हैं। वह विचारशील और दयालु इंसान हैं। वह चाहते थे कि मेरा परफॉर्मेंस अच्छा हो। निर्देशक के बारे में बात करते हुए नूपुर ने कहा, जब वह मुझसे मिले तो उन्होंने कहा कि मैंने देखा कि आप कैसे बात करते हैं और आपका आचरण कैसा है। मुझे तुरंत पता चल गया कि मैं अपनी सारा से मिल चुका हूं। मैं रोमांचित हूं कि मैं एक पैन-इडिया फिल्म कर रही हूं। मैं न्यूकमर हूं, जिसकी फिल्म चार गुना अधिक लोगों तक पहुंचेगी, क्योंकि यह वाइडर रिलीज है।

22 साल की उम्र में अवनीत कौर लगती हैं कमसिन हसीना

हद से ज्यादा करती खुद को एक्सपोज!

22 साल की एक्ट्रेस अवनीत कौर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। उनका हर एक स्टाइलिश ड्रेसिंग सेंस फैंस के बीच आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट लुक शेयर कर एक बार फिर से इंटरनेट पर तहलका मचा दिया है। इन तस्वीरों में उनकी डैशिंग पर्सनेलिटी देख उनके चाहने वालों के होश उड़ गए हैं। टीवी से बॉलीवुड तक में अपनी दमदार एक्टिंग से दर्शकों का दिल जीतने वाली एक्ट्रेस अवनीत कौर हमेशा अपने लुक्स से फैंस को दीवाना बनाती रहती हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो लोग उनकी तारीफों के पुल बांधते नहीं थकते हैं। अब हाल ही में अवनीत कौर ने अपनी लेटेस्ट तस्वीरों में एक बार फिर से अपनी हॉटनेस से फैंस दिलों में खलबली मचा दी है। इन तस्वीरों में उनका बोल्ड एंड ब्यूटिफुल लुक देखकर फैंस उनकी तारीफ करते हुए नहीं थक रहे हैं। अदाकारा अवनीत कौर ने अपने इस फोटोशूट के दौरान रेड कलर की फ्रंट कट थाई स्लिट ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वो बेहद ही गॉर्जियस लग रही थीं। हालांकि उनके चाहने वाले भी एक्ट्रेस के इस लुक को देखकर उनके कातिलाना अदाओं के दीवाने हो गए थे। बता दें कि एक्ट्रेस सोशल मीडिया सेंसेशन बन चुकी हैं। अवनीत कौर अपनी इन फोटोज में कैमरे में खुद को हद से ज्यादा एक्सपोज करते हुए एक से बढ़कर एक सेक्सी अंदाज में पोज देते हुए कहर ढा रही हैं। बता दें कि अभिनेत्री सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उन्हें 32.8 मिलियन यूजर्स फॉलो करते हैं।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135, NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा पर्व का ऐतिहासिक मुरिया दरबार संपन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा पर्व आस्था और परम्परा का सबसे महत्वपूर्ण पर्व है,जो सर्वाधिक लम्बी अवधि तक मनाया जाता है। इस बस्तर दशहरा पर्व को बस्तर अंचल के सभी लोग पूरी श्रद्धा-आस्था के साथ मनाते हैं और इसमें सक्रिय सहभागिता निभाते हैं। विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा आस्था का सबसे महत्वपूर्ण पर्व है सभी लोगों के सहयोग से इस वर्ष भी बस्तर दशहरा पर्व को सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

यह बात कलेक्टर विजय दयाराम के. ने ऐतिहासिक सिरहासार भवन में आयोजित विश्वप्रसिद्ध बस्तर दशहरा पर्व के मुरिया दरबार को सम्बोधित करते हुए कहा। उन्होंने बस्तर दशहरा पर्व के ऐतिहासिक मुरिया दरबार में सम्मिलित होने पर खुशी व्यक्त करते हुए इसे एक अनोखी गतिविधि निरूपित किया। वहीं बस्तर दशहरा पर्व में सहयोग प्रदान करने के लिए सभी लोगों के प्रति आभार जताया।

बस्तर दशहरा पर्व के ऐतिहासिक मुरिया दरबार में कलेक्टर विजय दयाराम के. सहित जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी और माटी पुजारी कमलचन्द्र भंजदेव,बस्तर दशहरा समिति के उपाध्यक्ष मंगडू मांझी और बस्तर संभाग के विभिन्न क्षेत्रों से आये मांझी चालकी, मेम्बर-मेम्बरीन तथा बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक, ग्रामीण जन सम्मिलित हुए।

इस अवसर पर माटी पुजारी कमलचन्द्र भंजदेव ने बस्तर दशहरा पर्व के ऐतिहासिक महत्व की जानकारी देते हुए इसे सामाजिक समरसता का अनुपम उदाहरण रेखांकित किया। उन्होंने बस्तर दशहरा पर्व में शामिल होने के लिए आने वाले मांझी-चालकी, पुजारी, गायता सहित ग्रामीणों के ठहरने के लिए बेहतर सुविधाओं की सुलभता हेतु सुझाव दिया। इस दौरान बस्तर दशहरा समिति के उपाध्यक्ष श्री मंगडू मांझी ने कहा कि विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा पर्व सभी के सहयोग तथा व्यापक सहभागिता से सफलतापूर्वक संपन्न हुई। आने वाले साल में इसे और भव्य और बेहतर तरीके से मनाएंगे। मुरिया दरबार में बलराम मांझी, अर्जुन मांझी सहित अन्य मांझी-चालकी एवं मेम्बर-मेम्बरीन ने अपनी बात रखी। आरंभ में उपस्थित सभी लोगों ने माई दंतेश्वरी पूजा-अर्चना की।

वहीं तहसीलदार एवं सचिव बस्तर दशहरा समिति यूके मानकर ने बस्तर दशहरा पर्व के सफल आयोजन सम्बन्धी प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। इस मौके पर सीईओ जिला पंचायत प्रकाश सर्वे, नगर निगम आयुक्त हरेश मंडावी तथा अन्य अधिकारी-कर्मचारी और विभिन्न क्षेत्रों से आये मांझी-चालकी, मेम्बर-मेम्बरीन तथा बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक, ग्रामीणजन उपस्थित रहे। अंत में अपर कलेक्टर सीपी बघेल ने बस्तर दशहरा पर्व के सफल एवं व्यवस्थित आयोजन हेतु आभार व्यक्त किया।

दीवाली में मिलेंगे सिर्फ 2 घंटे, केवल हरित पटाखों का कर सकेंगे उपयोग

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। त्योहारी सीजन में पटाखों को लेकर बड़ा अपड़ेट सामने आया है। उच्चतम न्यायालय तथा नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के निर्देश के परिपालन में इस बार पटाखों को लेकर दिशा निर्देश जारी किया गया है। जारी निर्देश के अनुसार पर्यावरण के अनुकूल केवल हरित पटाखों का उपयोग एवं विक्रय ही हो सकेगा। साथ ही दीपावली, छठ, गुरू पर्व, क्रिसमस व नव वर्ष के अवसर पर पटाखों को फोड़ने के लिए दो घंटे का ही समय मिलेगा।

बता दें उच्चतम न्यायालय तथा नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल की मार्गदर्शिका के मुताबिक पटाखों के उपयोग के संबंध में निर्देशों का कड़ाई से पालन करने जिला प्रशासन के अधिकारियों को निर्देशित किया है। दीपावली, छठ पूजा, गुरु पर्व, क्रिसमस व नववर्ष के मौके पर दो घंटे की अवधि पटाखे फोड़ने के लिए निर्धारित की गई है। जारी निर्देश के अनुसार दीपावली के लिए रात्रि 8 बजे से रात्रि 10 बजे तक, छठ पूजा के लिए सुबह छह बजे से सुबह 8 बजे तक, गुरु पर्व के लिए रात 8 बजे से रात 10 बजे तक समय निर्धारित किया गया है। क्रिसमस/नया वर्ष के लिए रात्रि 11 बजकर 55 मिनट से रात्रि 12 बजकर 30 मिनट का समय निर्धारित किया गया है। शीत ऋतु में प्रदूषण की स्थिति को देखते हुए वायु(प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण) अधिनियम 1981 की धारा 19 की उपधारा 5 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्य सरकार द्वारा रायपुर, बिलासपुर, भिलाई-दुर्ग, रायगढ़ एवं कोरबा के नगरीय क्षेत्रों में 1 दिसंबर से 31 जनवरी तक की अवधि में पटाखों का जलाया जाना प्रतिबंधित किया गया है।

2018 को दिया गया था आदेश

उच्चतम न्यायालय द्वारा 23 नवंबर 2018 को पारित आदेश के मुताबिक पटाखों के उपयोग के संबंध में कुछ अन्य निर्देश भी दिये गये हैं। इनमें कम प्रदूषण उत्पन्न करने वाले इम्प्रूव्ड एवं हरित पटाखों की बिक्री केवल लाइसेंस्ड ट्रेडर द्वारा किये जाने के निर्देश दिये गये हैं। साथ ही केवल उन्हीं पटाखों को उपयोग के लिए बाजार में बेचा जा सकेगा जिनसे उत्पन्न ध्वनि का स्तर निर्धारित सीमा के भीतर हो। सीरीज पटाखे अथवा लड़ियों की बिक्री, उपयोग एवं निर्माण प्रतिबंधित किया गया है। पटाखों के ऐसे निर्माताओं का लाइसेंस भी रद्द करने के निर्देश दिये गये हैं जिनके द्वारा पटाखों में लीथियम, आर्सेनिक, एन्टिमनी, लेड एवं मर्करी का उपयोग किया गया है। आनलाइन अर्थात ई-व्यापारिक वेबसाइटों जैसे फ्लिपकार्ट, अमेजान आदि से पटाखों की बिक्री प्रतिबंधित रहेगी। उक्त निर्देशों के कड़ाई से पालन के निर्देश जिला प्रशासन को दिये गये हैं।

खास खबर

सी-विजिल एप में अब तक 64 शिकायतें निराकृत

कांकेर। जिला निर्वाचन कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले में विधानसभा निर्वाचन के दौरान सी-विजिल एप में आदर्श आचरण संहिता के उल्लंघन से जुड़ी अब तक 64 प्राप्त शिकायतों का निराकरण किया जा चुका है। इसके अलावा जिला स्तरीय नियंत्रण कक्ष में प्राप्त 9 शिकायतें भी निराकृत हुई हैं, वहीं शिकायत शाखा में अब तक 13 प्रकरण प्राप्त हुए हैं। उल्लेखनीय है कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्वाचन संबंधी शिकायतों की त्वरित सूचना एवं समाधान के लिए मोबाईल एप्लिकेशन सी-विजिल शुरू की गई है। इस मोबाईल एप को स्मार्टफोन के प्ले स्टोर के जरिए आसानी से इंस्टाल किया जा सकता है। सी-विजिल एप में कोई भी नागरिक आदर्श आचरण संहिता के उल्लंघन संबंधी घटना का फेटोग्राफ वीडियो या ऑडियो के माध्यम से शिकायत दर्ज करा सकता है। साथ ही इस मोबाईल एप में नागरिकों को अपनी पहचान बताए बिना भी शिकायत दर्ज कराने का विकल्प है। एप्लिकेशन में प्राप्त प्रत्येक शिकायत का 100 मिनट की समय-सीमा में निराकरण किया जाता है। जिला स्तरीय नियंत्रण कक्ष में भी दूरभाष नंबर 07868-241019 पर संपर्क कर शिकायत एवं सूचनाएं दर्ज कराई जा सकती है।

जनरल ऑब्जर्वर शकील अहमद ने दिलाया मतदाता जागरुकता शपथ

मोहला। मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के तहत आज अतिसंवेदनशील क्षेत्र पाटनखास में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जनरल ऑब्जर्वर शकील अहमद ने मतदाताओं को शतप्रतिशत मतदान करने के लिए लोगों को शपथ दिलाया। जनरल ऑब्जर्वर शकील अहमद ने मतदाताओं को संबोधन किया। उन्होंने मतदान दिवस 7 नवम्बर को मतदान करने के लिए सभी नागरिकों को प्रेरित किया और सभी नागरिकों से अपील किया कि सभी अपने आस-पास के लोगों को जागरूक करें। कार्यक्रम में रंगोली, शपथ ग्रहण, नारा लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जागरूकता रैली में पूरे गांव के गलियों का भ्रमण किया गया। स्व सहायता समूह की महिलाओ एवं समस्त ग्रामवासी शामिल हुयें। स्वीप कार्यक्रम के नोडल अधिकारी हेमंत ठाकुर ने कहा की मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करें। उन्होंने मतदाता जागरूकता का महत्व बताते हुयें सभी लोगों को लोकतंत्र में सहभागी बनाने प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि नारा लेखन एवं स्लोगन सभी दुकानों में लगायें जिससे मतदाता प्रेरित होकर मतदान करें। कार्यक्रम में दिव्यांग मतदाता भी शामिल थे। जिन्हें मतदान का महत्व बताया गया। जोश उत्साह के साथ पाटनखास में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम संपन्न किया गया। जनरल ऑब्जर्वर शकील अहमद ने सभी मतदाताओं को मतदान के प्रति जागरूक एवं प्रेरित कियें। उन्होंने कहा कि मतदान करना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि अपने आसपास के सभी लोगों को मतदान के प्रति जागरूक करें। पाटनखास में आयोजित मतदाता जागरूकता कार्यक्रम में पाटनखास पुलिस प्रशासन का विशेष सहयोग रहा।

हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग में शत-प्रतिशत मतदान की शपथ के साथ जनजातियों पर केन्द्रित सर्टिफिकेट कोर्स का समापन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग में एक माह से चल रहे छत्तीसगढ़ की जनजातियां विषय पर केन्द्रित सर्टिफिकेट कोर्स का आज विष्वविद्यालय परिसर स्थित टैगोर हॉल में शत-प्रतिषत् मतदान करने की शपथ के साथ समापन हो गया। यह जानकारी देते हुए कोर्स समन्वयक तथा डीसीडीसी, डॉ. प्रीता लाल ने बताया कि एक माह अवधि के ऑनलाईन सर्टिफिकेट कोर्स में 75 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। समापन समारोह में सफल प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट एवं मेडल प्रदान करने हेतु विष्वविद्यालय की कुलपति, डॉ. अरूणा पल्टा एवं कुलसचिव, भूपेन्द्र कुलदीप, अधिष्ठाता छात्र कल्याण, डॉ. प्रषांत श्रीवास्तव, क्रीडा संचालक, डॉ. दिनेष नामदेव तथा एनएसएस समन्वयक, डॉ. आर. पी. अग्रवाल उपस्थित थें।

डॉ. प्रीता लाल ने बताया कि छत्तीसगढ़ की जनजातियों पर केन्द्रित इस सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम में लिखित परीक्षा, प्रोजेक्ट एवं सामूहिक चर्चा के प्राप्तांकों के आधार पर कुल 65 प्रतिभागियों में से 49 प्रतिभागियों को सफल घोषित किया गया। इनमें प्रथम स्थान 82 प्रतिषत् अंकों सहित साइंस कॉलेज, दुर्ग के कौषल साहू को मिला, द्वितीय स्थान पर मठपराई कलाकार डुमरडीह के अभिषेक सपन 81 प्रतिषत् अंकों के साथ रहे, तृतीय स्थान पर दुर्ग की कुमारी प्रणाली अहिर ने 80 प्रतिषत् अंक प्राप्त किये।

इस सर्टिफिकेट कोर्स के दौरान आमंत्रित व्याख्यान देने वालों में विवेकानंद शोधपीठ, रायपुर की चेयरमेन, डॉ. मीताश्री मित्रा, विष्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण, डॉ. प्रषांत श्रीवास्तव, कुलसचिव, भूपेन्द्र कुलदीप, आदिमजाति कल्याण विभाग के संचालक, रूपेन्द्र कवि, विष्वविद्यालय के सहायक कुलसचिव, दिग्विजय कुमार, आदिमजाति कल्याण विभाग की सहाकय प्रबंधक, कुमारी अमूल्या सहारे तथा विष्वविद्यालय की डीसीडीसी, डॉ. प्रीता लाल शामिल थीं। कुलपति, डॉ. अरूणा पल्टा ने प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए इस तरह के सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम को उपयोगी बताते हुए कहा कि अगले सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम से लिखित परीक्षा/ऑफलाईन पद्धति से आयोजित होगी।

बृजमोहन के खिलाफ रायपुर दक्षिण सीट पर महंत रामसुंदर दास ने ठोकी ताल, दाखिल किया नामांकन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी के सबसे महत्वपूर्ण और हॉट सीट माने जाने वाले रायपुर दक्षिण विधानसभा सीट के लिए कांग्रेस के उम्मीदवार महंत रामसुंदर दास ने अपना नामांकन दर्ज किया है। यहां से भाजपा के कद्दावर नेता बृजमोहन अग्रवाल लगातार चुनाव जीतते आ रहे हैं।

रायपुर जिले के 7 कांग्रेस प्रत्याशियों ने आज अपना नामांकन दर्ज कराया है।

नामांकन के दौरान मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भी प्रत्याशियों के साथ उपस्थित थे। 7 कांग्रेस प्रत्याशियों में शिव डहरिया, विकास उपाध्याय, कुलदीप जुनेजा, पंकज शर्मा, धनेन्द्र साहू तथा महंत रामसुंदर दास तथा धरसींवा से छाया वर्मा शामल हैं। इन सभी ने आज अपना-अपना नामांकन कलेक्टोरेट पहुंचकर दर्ज करा दिया है।

छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान होने के बाद से ही राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई थी। कांग्रेस द्वारा उम्मीदवारों की घोषणा किए जाने के बाद से ही चुनाव प्रचार तेज हो गया है। राजधानी रायपुर के सबसे महत्वपूर्ण सीट माने जाने वाले रायपुर दक्षिण विधानसभा के लिए आज कांग्रेस के अधिकृत प्रत्याशी महंत रामसुंदर दास ने अपना नामांकन दर्ज किया है।

अपने समर्थकों के साथ पहुंचे महंत ने कलेक्टोरेट पहुंचकर अपना नामांकन जमा कर दिया है। इसके साथ ही धरसींवा विधानसभा सीट भी चर्चा का विषय बना हुआ है। यहां से भाजपा की ओर से छालीवुड एक्टर अनुज शर्मा चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं कांग्रेस की ओर से छाया वर्मा को चुनावी मैदान में उतारा गया है।

निर्वाचन कार्य में संलग्न महिला कर्मचारियों को मुहैया कराई जाएंगी सभी मूलभूत सुविधाएंः डॉ भुरे

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ सर्वेश्वर भुरे ने आज एनआईटी और पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय में चल रहे मतदान अधिकारियों की प्रशिक्षण कार्यशाला में पहुंचे और आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण में उपस्थिति अधिक से अधिक रहे। सभी अधिकारी-कर्मचारी गंभीरता से मास्टर ट्रेनर की बात सुने और ग्रहण करें। जितने अच्छे से आप प्रशिक्षण लेंगे उतने

ही कुशलता से निर्वाचन कार्य को संपन्न कर पाएंगे। डॉ भुरे ने कहा कि हमारा प्रयास है कि निर्वाचन कार्य में महिला अधिकारी-कर्मचारी हमेशा अपनी जिम्मेदारियों का गंभीरता से निर्वहन करती हैं यह सराहनीय है। यह प्रयास किया जा रहा है कि उनकी ड्यूटी मतदान केन्द्र सहित जहां भी लगाई जाएगी वहां पर उनके लिए मूलभूत सुविधा मुहैया कराई जाएगी, ताकि उन्हे कोई तकलीफना हो। इस अवसर पर जिला पंयायत के मुख्य कार्यपालन श्री अबिनाश मिश्रा, उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री गजेन्द्र ठाकुर सहित संबंधित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

गर्ल्स कॉलेज में युवा संकल्प कार्यक्रम आयोजित, शत-प्रतिशत मतदान की ली शपथ

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। शासकीय डॉ. वा. वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में स्वीप कार्यक्रम के अन्तर्गत युवा संकल्प अभियान चलाया जा रहा है।

स्वीप कार्यक्रम के संयोजक डॉ. व्ही.के. वासनिक ने जानकारी देते हुए बताया कि महाविद्यालय की छात्राओं, प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों ने 17 नवंबर को शत-प्रतिषत मतदान के लिये शपथ ली।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुषील चन्द्र तिवारी ने सभी को संकल्प दिलाया कि धर्म, जाति, भाषा से ऊपर उठकर देष हित और मजबूत लोकतंत्र के लिये सभी निर्वाचनों में मतदान करेंगे तथा इसके

लिये प्रेरित भी करेंगे। उन्होनें बताया कि मतदाताओं को जागरूक करने हेतु स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत महाविद्यालय में पतंग उत्सव, अम्ब्रेला निर्माण तथा बैलून के माध्यम से जागरूकता अभियान आयोजित किया जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि महाविद्यालय में गरबा नृत्य, रंगोली, मेंहदी तथा पोस्टर प्रतियोगिताओं के माध्यम से मतदाता जागरूकता तथा शत-प्रतिषत मतदान का आव्हान किया जा रहा है।

शांति व्यवस्था बनायें रखने, पुलिस विभाग द्वारा सतत् गश्त लगातार जारी

मोहला। विधानसभा निर्वाचन को दृष्टिगत रखते हुए जिले में शांति एवं कानून व्यवस्था कायम रखने के लिए कलेक्टर एस जयवर्धन के निर्देशन में पुलिस विभाग द्वारा सतत गश्त एवं क्षेत्र के संवेदनशील गावों में जाकर जनसंपर्क जारी है। जिला पोलिस बल एवं भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल द्वारा आमजनता से भेंट कर हर संभव सहयोग करने आश्वस्त किया जा रहा है। आमजनता से भेंटकर उन्हें मतदान का महत्व बताया जा रहा है। लोगों को समझाईस दिया जा रहा है कि, पोलिस उनकी सुरक्षा के लिए है। पोलिस के साथ सहयोग करें।

खास-खबर

गर्भवती की मौत मामले में हॉस्पिटल संचालक गिरफ्तार

मुंगेली (ए)। जिले में स्थित लोरमी के एक निजी अस्पताल में बड़ी लापरवाही का मामला सामने आया है। यहां ऑपरेशन के दौरान एक गर्भवती की मौत हो गई है। मृतका का नाम 23 वर्षीय शारदा राजपूत बताया जा रहा है। परिजनों ने बताया कि 50 बिस्तर अस्पताल से गर्भवती को गुरुवार देर रात लेकर परिजन लोरमी के आन्या अस्पताल पहुंचे थे। यहां बिना गायनी और एनेस्थीसिया के बगैर ही डॉक्टरों ने गर्भवती का ऑपरेशन कर दिया। मृतका के पति दुर्गेश राजपूत और परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर बड़ी लापरवाही का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि अस्पताल के लापरवाह स्टाफ ने स्त्री रोग विशेषज्ञ और बेहोशी के डॉक्टर की अनुपस्थिति में ही शारदा का ऑपरेशन कर दिया। इससे उसकी मौत हो गई। इसके बाद शुक्रवार सुबह परिजनों ने अस्पताल में जमकर हंगामा किया और अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की।

वहीं मामले की सूचना मिलने पर एसडीएम पार्वती पटेल, बीएमओ डॉ. जीएस दाऊ और एसडीओपी माधुरी दीक्षित पुलिस स्टाफ के साथ अस्पताल पहुंची और कार्रवाई में जुट गई है।

लोरमी पुलिस ने आन्या हॉस्पिटल के संचालक महेंद्र साहू और स्टाफ जितेंद्र साहू को गिरफ्तार किया है, जिसे लोरमी थाना ले जा रहे थे। इस दौरान लोरमी नहर के पास ही आक्रोशित ग्रामीणों और परिजनों ने उन्हें रोक लिया और जमकर हंगामा किया। हालांकि पुलिस ने आक्रोशित भिड़ को समझाइश देकर दोनों को गिरफ्तार कर थाने ले गई है।

लोकेशन एक्टिव करने के नाम पर बेकरी कर्मचारी से ठगी

ऑनलाइन खाते से उड़ा दिए 80 हजार रुपए

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। मोहन नगर थाना क्षेत्र में बेकरी कर्मचारी के खाते से ऑनलाइन ट्रांजेक्शन के जरिए 80 हजार रुपए पार हो गए। घटना लगभग एक सप्ताह पुरानी है। इस मामले में बेकरी कर्मचारी की शिकायत पर मोहन नगर पुलिस ने अज्ञात मोबाइल धारक पर धारा 420 के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार सत्यम बेकरी दुर्ग में काम करने वाले धर्मेन्द्र सिंह पिता राम सनेही सिंह (28) ने थाने पहुंचकर ठगी की शिकायत दर्ज कराई है। धर्मेन्द्र सिंह मूल रूप से ग्राम पुरावसकला मोहर सिंह पटेल कापुरा थाना सिहोनिया जिला मुरैना तहसील अम्बाह मध्य प्रदेश का रहने वाला है। सत्यम बेकरी दुर्ग में काम करता है और यहीं किराए के मकान में रहता है। धर्मेन्द्र सिंह ने अपनी शिकायत में बताया कि 16 अक्टूबर 2023 की दोपहर करीबन 1.25 बजे उसके मोबाइल 7987788733 में अज्ञात मोबाइल नंबर 6297572431 से कॉल आया।

कॉलर ने कहा कि आपका पार्सल लोकेशन की वजह से डिएक्टीव हो रहा है लोकेशन एक्टीव कराने के लिए 5 रुपए ऑनलाइन देने होंगे। इसके बाद धर्मेन्द्र सिंह के नंबर पर emergency courier नाम से लिंक भेजकर कॉलर ने बोला कि इसे ओपन करके दी गई जानकारी भर कर 5 रुपए पेमेंट कर दें। इसके बाद धर्मेन्द्र ने लिंक ओपन कर लिंक क्लिक कर फोन पे के माध्यम से 5 रुपए ट्रांसफर कर दिया। इसके बाद 19 अक्टूबर 2023 की दोपहर करीबन 1.30 बजे उसके मोबाइल पर 80 हजार रुपए कटने का मैसेज आया। धर्मेन्द्र सिंह ने बताया कि उसका खाता सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया शाखा सिहोनिया जिला मुरैना में है और उसने ऐसा कोई ट्रांजेक्शन नहीं किया। इसके बाद मामले में मोहन नगर थाने में शिकायत हुई और पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नहर में बहता मिला शव, तीन दिन पहले हसदेव नदी में डूबा था युवक

जांजगीर-चांपा। छत्तीसगढ़ के जांजगीर चांपा जिले के बलौदा थाना क्षेत्र में गुरुवार को नहर में एक युवक का शव मिला। नहर में शव देखने के बाद ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने आसपास के लोगों की मदद से शव को बाहर निकलवाया। मृतक युवक की पहचान अभय धनवार (32) के रूप में हुई। तीन दिन पहले युवक हसदेव नदी में डूब गया था जिसका शव गुरुवार को मिला। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मिली जानकारी के अनुसार गुरुवार की सुबह गांव जर्वे के कोटवार ने पुलिस को सूचना दी कि नहर के अंदर पुलिया के पास एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला है। सूचना मिलने पर मौके पर पुलिस पहुंची और नहर से शव को बाहर निकाला। शव की पहचान के लिए बलौदा थाना पुलिस ने कोरबा पुलिस से संपर्क किया। इस दौरान मृतक युवक की पहचान अभय धनवार पुत्र मंगलू उके रूप में की गई। युवक 23 अक्टूबर को घर से सर्वमंगला मंदिर दर्शन करने की बात कहा कर निकला हुआ था। हसदेव नदी में पैर धोने के लिए उतरा और पैर फिसलने के बाद नदी के तेज बहाव में डूब गया था, जिसे खोजने के लिए चौकी स्टाफ के द्वारा गोताखोर की मदद ली गई, लेकिन वह नहीं मिला। तीन दिन बाद युवक का शव नहर से बरामद हुआ है।

मामूली विवाद में युवक की हत्या, धारदार हथियार से रेत दिया गला, तीन आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

मुंगेली। छत्तीसगढ़ के मुंगेली जिले में मामूली विवाद में युवक की धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या कर दी गई। युवक का शव मिलने के बाद पुलिस एक्शन में आई और 24 घंटे के भीतर पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के पास से धारदार हथियार भी बरामद किया है। पुलिस ने आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया। मामला जिले के लोरमी थाना क्षेत्र का है।

घटना के संबंध में लोरमी पुलिस ने बताया कि यहां रहने वाले मनराखन यादव ने बताया कि उसका बेटा पोखन यादव लापता है। मनराखन ने यह भी बताया कि मोहल्ले में रहने वाले राजू साहू और उसके भाई दिलू साहू ने उनके बेटे पोखन यादव को जान से मारने की धमकी दी थी। इसके बाद पुलिस ने पोखन की तलाश शुरू की। इस बीच पुलिस को खाम्ही शराब भट्ठी के पास के एक शव मिलने की सूचना मिली। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव की शिनाख्त कराई तो वह पोखन यादव का निकला। इसके बाद पुलिस ने मृतक के पिता के बताए अनुसार आरोपियों की तलाश शुरू की। जल्द ही पुलिस आरोपियों तक पहुंच गई। पुलिस ने इस मामले में राजू साहू, बिलू साहू और दुर्गेश साहू उर्फ बुलाटी को गिरफ्तार किया। तीनों ने आपसी विवाद के बाद पोखन यादव की धारदार हथियार से गला काटकर हत्या करने की बात स्वीकार की। पुलिस ने तीनों पर कार्रवाई कर जेल भेज दिया है।

महिला के साथ छेड़छाड़ का विरोध करने पर बदमाशों ने युवक को मार डाला

रायपुर (ए)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में महिला के साथ छेड़छाड़ को रोकना उसके पति के दोस्त को महंगा पड़ गया। बदमाशों ने युवक की चाकू से हमला कर उसे मौत के घाट उतार दिया। इस घटना में महिला पीड़ित का पति घायल हो गया। हालांकि पुलिस ने हत्या के दो आरोपितों को हिरासत में लेकर उसके खिलाफ केस दर्ज किया है।

दरअसल, यह मामला खमतराई थाना इलाके का है। जानकारी के अनुसार रायपुर के उरकुरा इलाके में एक युवक विजय निर्मलकर की चाकू से हमला कर हत्या कर दी गई। बताया जा रहा है कि लोकेश ने अपनी पत्नी के साथ हुई छेड़छाड़ की घटना को लेकर आपत्ति जताई थी। लोकेश अपने दोस्त विजय निर्मलकर के साथ मनचले बदमाश को समझाने उसके घर गया था। जहां आरोपित मिथिलेश वर्मा और जय प्रकाश वर्मा ने लोकेश और उसके दोस्त विजय पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया।

तेज रफ्तार कार की चपेट में आए बाइक सवार, तीन युवकों की मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में बीती रात भीषण सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार कार की चपेट में आने से तीन बाइक सवार युवकों की मौत हो गई। घटना जिले के डोंडी थाना क्षेत्र की है। गुरुवार रात करीब आठ से 9 बजे के बीच की यह घटना है। हादसे के बाद कार सवार वहां से फरार हो गया। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने तीनों बाइक सवारों के शवों को जिला अस्पताल के मरच्यूरी में रखवा दिया है। शुक्रवार को पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा।

घटना के संबंध में डौंडी थाना प्रभारी सुनील तिर्की ने बताया की कार चालक कच्चे से डोंडी की ओर जा रहा था। इस दौरान दुपहिया वाहन में तीन युवक डोंडी से अपने घर को लौट रहे थे। इस दौरान बाइक सवार तेज रफ्तार कार की चपेट में आ गए। हादसा इतना जोरदार था कि बाइक सवार तीनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई शुरू की। मृतकों की पहचान छत्रपाल कोर्राम पिता उत्तम कोर्राम 23 वर्ष ग्राम जुरहाटोला, जितेश दर्रो पिता स्वर्गीय वीर दर्रो 26 वर्ष ग्राम कुआं गोंदी और छूलेश्वर खुर्श्याम पिता घासी उम्र 28 वर्ष ग्राम कुंवागोन्दी थाना डोंडी के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि जिस कार से हादासा हुआ वह बालोद के एक व्यापारी के नाम की बताई जा रही है। फिलहाल पुलिस वाहन चालक की तलाश कर रही है।

भिलाई के बाद दुर्ग शहर में भी एटीएम से चोरी का प्रयास रुपए नहीं निकले तो तोड़फोड़ कर भागे बदमाश

ओमशांति चौक भिलाई में भी हुई तोड़फोड़

बता दें इसी प्रकार की एक घटना गौरवपथ ओम शांति चौक स्थित एसबीआई के एटीएम भी हुई। यह घटना भी 24 व 25 अक्टूबर की दरमियानी रात की थी। इस मामले में भी एटीएम मेंटेनेंस देखने वाले कर्मचारी ने छावनी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। ओम शांति चौक पर हुई एटीएम सेंधमारी में भी मशीन से रकम निकालने का प्रयास किया गया लेकिन रुपए नहीं निकाल सके। एटीएम का शटर लॉक को तोड़ दिया गया जिससे लगभग 30 से 40 हजार के नुकसान का अंदेशा जताया गया है। इस मामले में छावनी पुलिस ने अज्ञात के खिलाफअपराध दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दिया है।

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। एक ही रात में दुर्ग भिलाई के दो एटीएम में सेंधमारी हुई है। भिलाई के ओम शांति चौक गौरव पथ के बाद दुर्ग के मोहन नगर थाना क्षेत्र में भी एटीएम में सेंधमारी का प्रयास किया गया है। एटीएम से रुपए नहीं निकाल पाए तो बदमाशों ने एटीएम में तोड़फोड़ कर दी। एटीएम काम नहीं करने पर मेंटेनेंस टीम को सूचना मिली। मौके पर पहुंचे टेक्निशियन ने पाया कि एटीएम में चोरी का प्रयास हुआ। इसके बाद मामले में शिकायत दर्ज कराई गई। शिकायत के बाद मोहन नगर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ धारा 380-आईपीसी, 427-आईपीसी, 457-आईपीसी, 511-आईपीसी के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार डेली आन लाईन रिपोर्ट पर फ्लैस करने पर जय बेकरी के पास स्टेशन रोड दीपक नगर मे लगी एसबीआई एटीएम क्रमांक FFBQ 015141037 मे फाल्ट दिखा रहा था। एटीएम काम नहीं कर रहा था। इसके बाद एटीएम का मेंटेनेंस देखने वाले चंद्रशेखर क्षीरसागर एटीएम में पहुंचे। एटीएम की जांच करने के बाद पता चला कि कोई अज्ञात ने दिनांक 24 व 25 अक्टूबर की दरमियानी रात करीबन 12.10 बजे एटीएम में चोरी का प्रयास किया। चोर ने एटीएम में प्रवेश करने के बाद एटीएम मशीन मे तोड़फोड़ कर नगदी रकम निकालने का प्रयास किया है। अपनी पहचान छिपाने बदमाश ने एटीएम केबिन में लगे कैमरे को तोड़ दिया। एटीएम में तोड़फोड़ कर रुपए निकालने का प्रयास किया लेकिन नगदी नहीं निकाल सके। बदमाश ने एटीएम की एसएनजी लाक, शटर असेम्बली, कास्मेटिक डोर, मानीटर स्क्रीन, कैमरा, वाल्ट, ब्रेक ओपन एवं एटीएम रूम मे लगे कैमरा को तोड़ा। फिलहाल इस मामले में पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ अपराध दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

कार्यालय, नगर पालिक निगम, भिलाई

(संपत्तिकर विभाग)

क्रमांक/चार/तीन/सं.क.वि./2023/804/374   भिलाई, दिनांक 26/10/2023

//स्वामित्व के हस्तांतरण की सूचना//

इस ईश्तहार द्वारा हित रखने वाले हितग्राही को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 में स्वत्वाधिकार के अंतरण के संबंध में निम्नलिखित हस्तांतरिती के नाम से जिसका कि नगर पालिक निगम भिलाई के संपत्तिकर अभिलेख में हस्तांतरणकर्ता के स्थान पर नाम दर्ज किया जाना है यदि किसी को इस संबंध मे कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन तिथि से 15 दिनों के भीतर अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है बाद मे प्रस्तुत आपत्ति पर विचार नही किया जावेगा:-

क्र.	हस्तांतरणकर्ता का नाम	हस्तांतरिती का नाम	हस्तांतरण का स्वरूप	संपत्ति की स्थिति
1.	संजय कुमार दास, पिता श्री एस.सी. दास, निवासी-संजय कुमार दास छोटे अट्टर मुडा पो0 -रायगढ़ तह. व जिला रायगढ़. (छ.ग.)	श्री गौरव भारद्वाज, पिता श्री जगदीश भारती, निवासी-बी-37, चन्द्रावरदाइ नगर अजमेर राजस्थान,	बिक्रीनामा	जुनवानी, वार्ड नं. 02, स्मृतिनगर वार्ड जुनवानी चौहान हाउसिंग प्रा.लि. चौहान टाउन जुनवानी, भिलाई, फ्लैट क्रमांक-16, ब्लॉक नं. ई-5, तृतीय तल, क्षेत्रफल-1194.89 वर्गफीट पर आवासीय फ्लैट निर्मित।
2.	रंजन कुमार दत्ता, आ. स्व. तपेश चन्द्र दत्ता, निवासी-मॉडल टाउन, जुनवानी, भिलाई, तह. व जिला-दुर्ग (छ.ग.)	श्रीमती सरस्वती सोनी, ध.प. श्री गणेश सोनी, निवासी-वार्ड क्र. 03, गयानगर दुर्ग, तह. व जिला-दुर्ग(छ.ग.)	बिक्रीनामा	जुनवानी, वार्ड क्र. 01(जुनवानी खास बस्ती आबादी अन्दर भाग), भिलाई खसरा नं. 77/3, कुल रकबा- 0.020 हेक्टेयर में से 149.06 वर्गफीट क्रय किया गया, भवन निर्मित।
3.	मेसर्स वेदप्रकाश चोपड़ा एण्ड कंपनी कुरूद भिलाई :- भागीदार-श्री आलोक कुमार लुनिया, पिता स्व. जे..के लुनिया, निवासी-एस.एम.-31, पदमनाभपुर दुर्ग, तह. व जिला-दुर्ग(छ.ग.)	नसीरूदीन, पिता-स्व. अब्दुल्लाह, निवासी-(एल.सी.) ब्लाक 7/जे, केम्प-1, सुपेला, भिलाई	बिक्रीनामा	कुरूद,(वार्ड नं.-14 सुन्दर विहार कालोनी अंदर भाग) भिलाई, खसरा नं. 1420/273, व्यवसायिक प्लाट नं.-17, रकबा-400 वर्गफीट एवं खसरा नं. 1420/274, व्यवसायिक प्लाट नं.-20, रकबा-400 वर्गफीट, भवन निर्मित।
4.	मेसर्स बिल्टेक इंजी. प्रा.लिमि. डायरेक्टर श्री मनीष गुप्ता आ. श्री कुलदीप गुप्ता, 54, मोतीलाल नेहरूनगर, भिलाई, तह. व जिला-दुर्ग(छ.ग.)	श्री विकास अग्रवाल आ. श्री प्रभात शंकर अग्रवाल, निवासी-प्लाट नं.-4, ब्लॉक नं. 39, नेहरूनगर(पूर्व), भिलाई, तह. व जिला-दुर्ग(छ.ग.)	बिक्रीनामा	वार्ड नं. 03,सूर्या अपार्टमेंट, जुनवानी(नियर मॉडल टाउन), भिलाई, फ्लैट क्रमांक-I/12, ब्लॉक नं.-I, प्रथम तल, क्षेत्रफल-931.82 वर्गफीट पर आवासीय फ्लैट निर्मित।
5.	श्रीमती सत्यवती अवस्थी ध.प. स्व. पी. के. अवस्थी, निवासी-एच.आई.जी. 1/121 बोरसी एक्शटेन्शन वार्ड 50 दुर्ग, तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.)	श्री संजीव अवस्थी पिता स्व. पी. के. अवस्थी, निवासी-एच.आई.जी. 1/121 बोरसी एक्शटेन्शन वार्ड 50 दुर्ग, तह. व ज़िला दुर्ग (छ.ग.)	वसीयतनामा	जुनवानी वार्ड नं. 01जुनवानी वार्ड अंतर्गत सूर्याविहार अंदर भाग भिलाई, खसरा नं. 746/15 प्लाट नं. सी-1/84, रकबा-2400 वर्गफीट, आवासीय भवन निर्मित।
6.	एन.एन.पाण्डेय, आ. स्व. श्री रामचरण पाण्डेय, साकिन-एप्रोच रोड, वार्ड नं. 22, सुंदर नगर, केम्प-01, भिलाई, तह. व जिला-दुर्ग(छ.ग.)	श्री शशिकांत पाण्डेय, आ. श्री एन.एन. पाण्डेय, साकिन-एप्रोच रोड, वार्ड नं. 22, सुंदर नगर, केम्प-01, भिलाई, तह. व जिला-दुर्ग(छ.ग.)	उपहार पत्र	सुंदर नगर, वार्ड नं. 21(एप्रोच रोड, तेलगू पारा, केम्प-01, भिलाई, आवासीय सह व्यवसायिक व्यवस्थापन) योजना के अंतर्गत एप्रोच रोड मुख्य मार्ग पर स्थित, क्षेत्रफल-91.05 वर्गमीटर = 979.698 वर्गफीट में से 39.48 वर्गमीटर उपहार में प्राप्त किया।
7.	श्रीमती शाहनाज अहमद, पति श्री इंतेखाब अहमद, निवासी-जी-1301, आदित्य अर्बन कासा, सेक्टर 78, नॉएडा, गौतमबुद्ध नगर, (उत्तरप्रदेश)	शमसुद्दीन निजामी, पिता अब्दुल वाहिद निजामी, निवासी-एम. आईजी.-192, पद्मनाभपुर, दुर्ग, तह. व जिला-दुर्ग (छ.ग.)	बिक्रीनामा	कोहका (वार्ड नं. 07 फरीद नगर कोहाका वार्ड के अयप्पा नगर अंदर भाग) भिलाई, खसरा नं.-2427 प्लाट नं.-137, क्षेत्रफल-2400 वर्गफीट, आवासीय भवन निर्मित।

उपायुक्त (संपत्तिकर)
नगर पालिक निगम
भिलाई

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

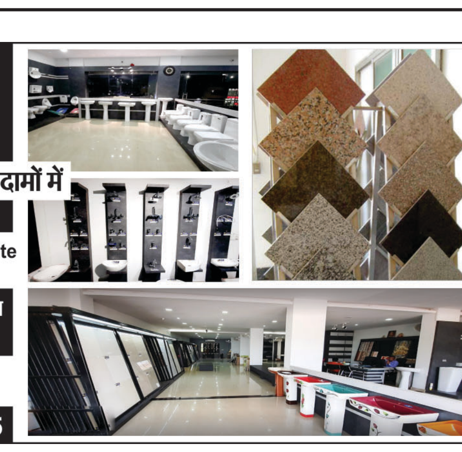

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

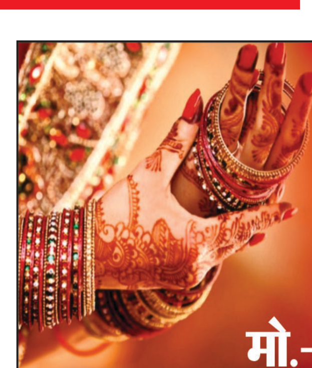

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

खास - खबर

वरिष्ठ गीतकार रविशंकर कलौसिया को अर्पित की गयी काव्यांजलि

भिलाई। नगर के दिवंगत कवि एवं वरिष्ठ गीतकार रविशंकर कलौसिया की पहली बरसी का कार्यक्रम उनके निवास स्थल वैशाली नगर में रखा गया। इस अवसर पर विशेष तौर पर उपस्थित सुप्रसिद्ध कहानीकार एवं पत्रकार शिवनाथ शुक्ल ने कलौसिया के कृतित्व व व्यक्तित्व पर अपना उद्बोधन देकर की स्मृतियों को नमन किया। उन्होंने कहा कि कलौसिया जी ने अपने सुमधुर गीतों से छत्तीसगढ़ का नाम दूर-दूर तक रोशन किया। उनके गीतों में दर्द था और कसक थी जो जीवन के विविध पक्षों के उजागर करती थी। उन्होंने उनकी काव-कृति को रेखांकित करते हुए कहा कि रविशंकर कलौसिया का जीवन साहित्य को लिए समर्पित रहा। इस अवसर पर वरिष्ठ गजलकार एवं प्रवक्ता अशोक कुमार सोनी सहित हास्य कवि काशीराम यादव, कवि कमल कुमार धृतलहरे व उनके परिजनों ने उन्हें कव्यांजलि अर्पित की । इस अवसर पर रविशंकर कलौसिया की सुपुत्री शालिनी कलौसिया ने उनकी काव्य रचनाओं का पाठ किया। इस अवसर पर उनके परिजन सहित परिचित व चाहने वाले उनके सुधिजन उपस्थित थे।

कलेक्टर द्वारा शातिर गुण्डा बदमाश को केन्द्रीय जेल दुर्ग में निरूद्ध करने आदेश पारित

दुर्ग। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी पुष्पेन्द्र कुमार मीणा ने पुलिस अधीक्षक, जिला दुर्ग द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन के आधार पर शातिर गुण्डा बदमाश बबलू ईरानी उर्फ जाकिर हुसैन पिता मुकद्दर अली उम्र 46 वर्ष के विरूद्ध राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 की धारा 3 उपधारा (2) के अंतर्गत 03 माह की कालावधि के लिए केन्द्रीय जेल, दुर्ग में निरुद्ध किये जाने हेतु 26 अक्टूबर 2023 को आदेश पारित किया है। प्राप्त जानकारी अनुसार बबलू ईरानी उर्फ जाकिर हुसैन पिता मुकद्दर अली उम्र 46 वर्ष लगभग निवासी ईरानी डेरा केलाबाड़ी दुर्ग थाना-दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग सिटी कोतवाली दुर्ग थाना क्षेत्र का शातिर गुण्डा बदमाश है, जो वर्ष 1991 से लगातार अपराध घटित कर रहा है। उसके विरुद्ध कुल 47 अपराधों की जानकारी प्रस्तुत की गई। बबलू ईरानी उर्फ जाकिर हुसैन के आपराधिक गतिविधियों से जन साधारण को आतंकित, भयभीत एवं अशांति पूर्ण जीवन निर्वहन करने तथा लोगों में इतना भय एवं आतंक फैला दिया था जिसके कारण लोग उसके विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कराने एवं साक्ष्य देने से डरने लगे । अनावेदक के अपराधिक कृत्यों से त्रस्त होकर जन सामान्य हेतु संचालित बस सेवा को बस संचालकों द्वारा बंद करने का फैसला लिया गया, जो लोक व्यवस्था एवं सुगम यातायात को प्रभावी तौर पर नुकसान पहुँचाने एवं उसके आपराधिक कृत्य से जन-साधारण में आकोश उत्पन्न होने के कारण लोक व्यवस्था बनाये रखना सम्भव नहीं हो पा रहा है। इनके कृत्यों से सार्वजनिक जीवन तथा लोक व्यवस्था प्रभावित हुई है। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी ने लोगों को भयमुक्त अनावेदक बबलू ईरानी उर्फ जाकिर हुसैन पिता मुकद्दर अली के विरुद्ध राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 की धारा 3 उपधारा (2) के अंतर्गत 03 माह की कालावधि के लिए केन्द्रीय जेल, दुर्ग में निरुद्ध किये जाने हेतु दिनांक 26 अक्टूबर 2023 को आदेश पारित किया है।

विश्वास यात्रा में क्रांति सेना के कई पदाधिकारी और सतनामी समाज की वरिष्ठ महिला नेत्री ने थामा कांग्रेस का हाथ

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। कांग्रेस प्रत्याशी व भिलाई नगर विधायक देवेन्द्र यादव की विश्वास यात्रा को लोगों का जबरदस्त समर्थन मिल रहा है। गुरुवार को विश्वास यात्रा के दूसरे दिन हजारों लोगों ने विधायक देवेन्द्र यादव का सर्मथन किया। उनकी यात्रा में हजारों की तादात में लोग शामिल हुए। इस दौरान क्रांति सेना के कई पदाधिकारी और सतनामी समाज की वरिष्ठ महिला नेत्री सहित कई लोगों ने कांग्रेस का दामन थामा। इन सभी लोगों ने भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव और पूरा विश्वास जताया और वे कॉंग्रेस में शामिल हुए।

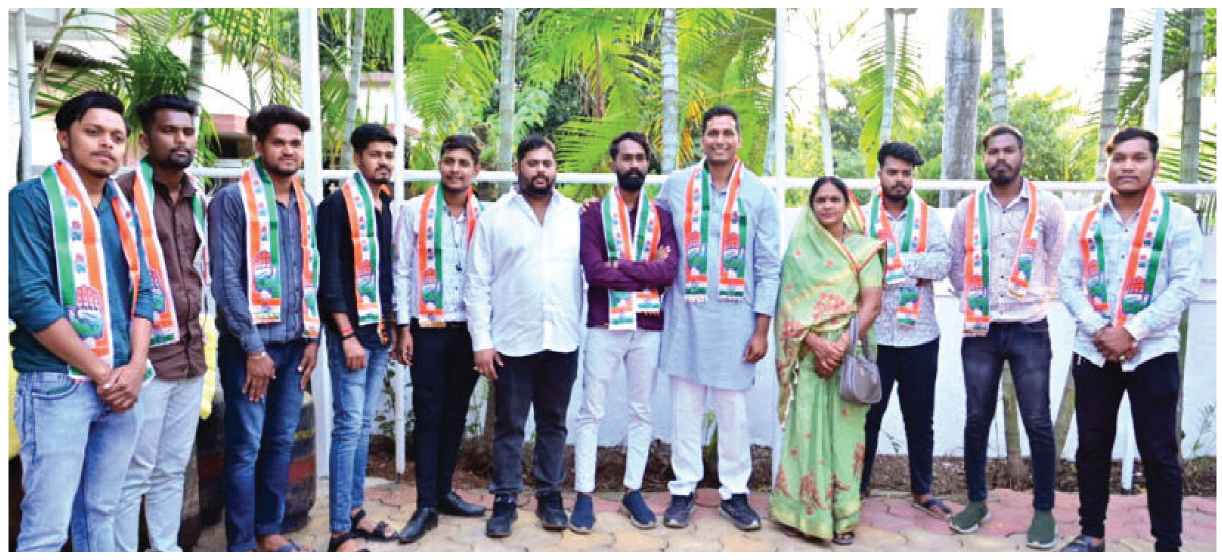

कांग्रेस प्रवेश करने वाले सभी ने कहा कि विधायक देवेन्द्र यादव की मेहनत, भिलाई के विकास और जनता के हित के लिए उनके लगन, उनकी निष्ठा, ईमानदारी और कांग्रेस की जन हितैसी योजनाओं, सीएम भूपेश बघेल के विकास को गति देने वालो योजनाओं और उनके 5 साल के कार्यकाल से प्रभावित होकर सब ने कांग्रेस ज्वाइन किया है। सतनामी समाज वरिष्ठ नेत्री समाज सेविका रामप्यारी भारती, बिंदु दिवाकर, सीमा कुर्रे, संतोष भारती, अहिल्या बंजारे, सौरभ अग्रवाल, बल्लू बंधे ने अपने सैकड़ों साथियों के साथ कांग्रेस पार्टी में प्रवेश किया। कांग्रेस प्रवेश पर विधायक देवेन्द्र यादव ने सभी को गमछा भेंटकर कांग्रेस परिवार में स्वागत किया। इसके अलावा छावनी में क्रांति सेना संगठन के शुभम वर्मा, राहुल वर्मा, विकास वर्मा, दीप सोनी, सुमित दुबे, देवेंद्र पटेल, हिमांशु साहू, हिरेंद्र वर्मा, मनीष यादव आदि ने भी कांग्रेस पार्टी में प्रवेश किया।

- **बालाजी नगर और सुभाष नगर चली विश्वास यात्रा, हजारों की संख्या में लोग हुए शामिल**
- **सेक्टर 9 हनुमान मंदिर से की गई विश्वास यात्रा की शुरुआत**

विश्वास यात्रा में हजारों लोगों के साथ बच्चों ने जताया विधायक पर विश्वास, बच्चो ने विधायक देवेंद्र को दिया अपना गुल्लक

भिलाई। भिलाई नगर के युवा विधायक देवेंद्र यादव विश्वास यात्रा कर रहे हैं। आज विश्वास यात्रा के दूसरे दिन बालाजी नगर और वार्ड वार्ड 39 में विश्वास यात्रा की शुरुआत की गई। सुबह जब भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव वार्ड में पहुंचे तब उनके समर्थन में हजारों की संख्या में लोग उपस्थित हुए।

लोग उनके साथ यात्रा में शामिल हुए और पूरा समर्थन भी दिया। इस दौरान वार्ड के हजारों नागरिकों के साथ ही वार्ड के नन्हे मुन्ने बच्चों ने भी विधायक देवेंद्र यादव पर अपना विश्वास दिखाई और बच्चों ने अपने घरों में रखें अपने गुल्लक को लाकर विधायक के हाथों में सौपा।

इस दौरान इन बच्चों ने विश्वास और एक बड़ी उम्मीद नजर आई कि जिस तरह से अब तक भिलाई की भलाई के लिए जनता के हित और विकास के लिए काम किए है वैसे ही आगे भी काम करते रहे।

विश्वास यात्रा के दौरान विधायक श्री यादव बालाजी नगर में पैदल यात्रा कर रहे है। लोगों के घर घर जाकर उनसे मिल रहे है। उनका हालचाल जान रहे है। वही जनता भी बहुत खुश है। विधायक श्री यादव के स्वागत में जनता अपनी पलके बिछये बैठी है। पुष्प माला से लोग स्वयं से विधायक का स्वागत कर रहे है। तिलक लगाकर विजय भवः का आशीर्वाद भी दे रहे है। जनता में और खास का युवाओ में विधायक श्री यादव का इतना ज्यादा क्रेज है कि उनके समर्थ में अपने आप ही हजारों की संख्या में लोगों का हुजूम उमड़ रहा है। हर घर हर परिवार विधायक श्री यादव को अपना आशीर्वाद प्रदान कर रहे है।

आयुक्त की मौजूदगी में 28 जगहों से हटवाया सड़क किनारे से अतिक्रमण

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम।आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने अधीनस्थ अधिकारियों के साथ रायपुर नाका से लेकर राजेंद्र पार्क होते हुए गांधी प्रतिमा और पटेल चौक जा पहुंचे जहां उन्होंने सड़क किनारे समान फैलाकर सड़क पर 28 जगहों से व्यवसाय करने वाले अतिक्रमणकारियों को हटवाया।

साथ ही दोबारा अतिक्रमण करने पर कड़ी कार्यवाही की चेतावनी दी।आयुक्त लोकेश चन्द्राकर के निर्देश पर अतिक्रमण अधिकारी दुर्गेश गुप्ता,बाजार अधिकारी जावेद अली,थानसिंह यादव,ईश्वर वर्मा के अलावा टीम ने सड़क किनारे अतिक्रमण करने वाले दुकानदारों को भविष्य में अतिक्रमण करने पर समान जब्ती और विभागीय कार्यवाही करने की चेतावनी देते हुए कहा कि सड़क आम जनमानस के चलने के लिए है।आवागमन बाधित करने वालों के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी।आयुक्त ने अतिक्रमण करने वाले लोगो को चेतावनी दी कि सड़क किनारे किसी प्रकार का अतिक्रमण ना करें अगर किसी प्रकार का अतिक्रमण सड़क पर पाया गया तो कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

सड़क किनारे ठेले, खोमचे लगाकर कारोबार करने वालों को आज गुरुवार को टीम ने 28 जगहों से हटाया। निगम अमला को देखकर कुछ कब्जाधारी स्वयं अपना सामान हटाने लगे।आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने बताया कि सड़क किनारे कब्जा होने से लोगों को आवागमन में दिक्कत होती है। इस संबंध में निगम को लगातार शिकायत मिल रही थी। उन्होंने बताया कि आने वाले दिनों में शहर के अन्य क्षेत्रों में भी अतिक्रमण हटाने कार्रवाई की जाएगी। दोबारा अतिक्रमण करने पर जुर्माना के साथ समान जब्त करने की कार्रवाई की जाएगी।

बिना अनुमति होर्डिंग्स-बैनर लगाने वालो के विरूद्ध होगी कार्रवाई, निगम का अमला कर रहा लगातार मॉनिटरिंग

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई । निगम क्षेत्र में लगे हुए यूनिपोल, भवनों के छत पर लगे हुए बड़े होर्डिंग्स और चौक चौराहो पर स्थापित एलईडी स्क्रीन पर बिना अनुमति विज्ञापन लगाए जाने पर उनके विरूद्ध दण्डात्मक कार्रवाई की जाएगी। विधानसभा चुनाव के मददेनजर प्रभावशील आदर्श आचार संहिता को देखते हुए निगम ने सभी विज्ञापन एजेंसी को निर्देशित किया है कि किसी प्रकार से राजनैतिक विज्ञापन के लिए अनुमति लेना आवश्यक है।

भिलाईनगर विधानसभा के रिटर्निंग अधिकारी एवं निगम आयुक्त रोहित व्यास के निर्देश पर भिलाई निगम का अमला निगम के

अधिपत्य एवं एजेंसियों द्वारा निगम क्षेत्र में स्थापित सभी यूनिपोल, बड़े होर्डिंग्स और एलईडी स्क्रीन पर प्रसारित किस जाने वाले विज्ञापनों की लगातार मॉनिटरिंग कर रहा है, निगम ने सभी विज्ञापन एजेंसियों से कहा है कि राजनैतिक विज्ञापन प्रसारित किए जाने से पूर्व स्थान, बोर्ड की संख्या एवं आकार की विधिवत अनुमति है या नहीं, होर्डिंग्स लगाने की अनुमति कितने दिनों के लिए है किस स्थान पर विज्ञापन के लिए अनुमति लिए उसकी सतत मॉनिटरिंग की जा रही है, बिना अनुमति विज्ञापन लगाए जाने पर उनके विरूद्ध दण्डात्मक कार्रवाई की जाएगी। बिते सप्ताह में खुर्सीपार, जीई रोड, मुख्य मार्ग में बिना अनुमति लगाए गए बैनर और यूनिपोल के होर्डिंग्स को हटाने की कार्रवाई तोड़फोड़ दस्ता द्वारा किया गया। निगम में स्थापित चुनाव कार्यालय जनगणना विभाग की नोडल अधिकारी प्रीति सिंह ने आचार संहिता में विज्ञापन एजेंसियों को निर्देश दिए है कि छ.ग. सम्पत्ति विरूपण अधिनियम 1994 का कड़ाई से पालन करना होगा।

डेंगू की रोकथाम के लिए सघन अभियान

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग जिले के विभिन्न क्षेत्रों में जिनमें से भिलाई नगर निगम क्षेत्र व दुर्ग नगर निगम क्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग व नगर निगम के अमले द्वारा डेंगू से संबंधित नियंत्रण व रोकथाम का कार्य निरंतर किया जा रहा है। आज 26 अक्टूबर 2023 को डेंगू एलिजा पॉजिटिव के 3 नये प्रकरण मिले है। वर्तमान में 03 मरीज भर्ती है एवं कोई भी मरीज की गंभीर स्थिति नहीं है। मरीजों के निवास क्षेत्रों में घर-घर जाकर स्वास्थ्य विभाग के मैदानी अमले द्वारा मास्किटो सोर्स रिडक्शन का कार्य दैनिक रूप से किया गया है। नगर निगम भिलाई, चरोदा, रिसाली जनस्वास्थ्य विभाग, भिलाई इस्पात संयंत्र एवं नगर निगम दुर्ग की टीम के द्वारा लगातार डेंगू प्रभावित क्षेत्र में लार्वा नष्टीकरण के लिए टेमीफॉस एवं एडिस मच्छर को नष्ट करने के लिए मेलाथियन से फॉगिंग का कार्य किया जा रहा है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जे. पी. मेश्राम के अनुसार डेंगू नियंत्रण एवं रोकथान हेतु दुर्ग, भिलाई, चरोदा रिसाली नगर निगम जनस्वास्थ्य विभाग, भिलाई इस्पात संयंत्र, स्वास्थ्य विभाग ग्रामीण व शहरीय की टीम द्वारा कुल 159239 घरों का सर्वेक्षण किया जा चुका है. जांच किये कुलर पानी टंकी व अन्य कंटेनर की संख्या-191204 जिनमें से 79243 खाली कराये गये सभी कंटेनरों में 113033 स्थानों में टेमीफास डालकर लार्वा का नष्टीकरण किया गया। 158888 पाम्पलेट के माध्यम से डेंगू व मलेरिया से बचाव के लिए स्वास्थ्य शिक्षा दी गयी।

अरुण वोरा, मुकेश चंद्राकर व निर्मल कोसरे सहित 15 लोगों ने जमा किया नामांकन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। छत्तीसगढ़ विधानसभा निर्वाचन-2023 के दूसरे चरण के मतदान के लिए नामांकन प्रक्रिया जारी है। गुरुवार को रिटर्निंग ऑफिसर के पास 15 अभ्यर्थियों ने नामांकन दाखिल किया।

इस दौरान कांग्रेस पार्टी के दिग्गज उम्मीदवारों ने अपना नामांकन दाखिल किया। इस दौरान दुर्ग शहर से अरुण वोरा, वैशाली नगर विधानसभा से मुकेश चंद्राकर व अहिवारा विधानसभा से निर्मल कोसरे ने अपना पर्चा भरा।

वैशाली नगर विधानसभा से कांग्रेस प्रत्याशी मुकेश चंद्राकर ने भरा नामांकन

गुरुवार को नामांकन दाखिल करने वालों में अनूप कुमार पाण्डेय, अरूण कुमार जोशी, विनोद सेन कौशिक निर्दलीय, लंगूर ध्रुव कुमार सोनी छत्तीसगढ़ महतारी पार्टी, संजीत कुमार विश्वकर्मा आप, ईश्वर निषाद बसपा, हरिचंद ठाकुर, महेन्द्र बंजारे निर्दलीय, भूषण नादिया बसपा, महेन्द्र बंजारे , हैदर भाटी, संतोष मार्कण्डेय, सच्चिदानंद कौशिक निर्दलीय आदि शामिल हैं।

इसके अलावा 16 अभ्यर्थियों ने नामांकन पत्र भी खरीदा। नामांकन पत्र खरीदने वाले प्रत्याशियों में गिरेन्द्र कुमार खाण्डवे गण सुरक्षा पार्टी, मनोज कुमार गायकवाड़ निर्दलीय, विकास शर्मा जनता कांग्रेस जोगी, केहर प्रसाद खाण्डवे गण सुरक्षा पार्टी, लोकेन्द्र साहू निर्दलीय, संदीप पाल गोण्डवाना गणतंत्र, आशीष माण्डले, संतोष कुमार जोशी, रामप्रसाद ध्रतलहरे निर्दलीय, श्रीमती रीति देशलहरा जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़, गणेश कुमार हिमांशु, रिया सेन भाजपा, शंकर लाल साहू छत्तीसगढ़ स्वाभीमान मंच, नारायण सोनवानी, भारतभूषण सिंह सिन्हा निर्दलीय, अजय झग्गर साहू एनसीपी शामिल हैं।

भिलाई नगर विधानसभा प्रत्याशी प्रेम प्रकाश पाण्डेय की घोषणा

भाजपा की सरकार बनी तो 75 हजार में मिलेंगे आवास

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई नगर विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी प्रेमप्रकाश पाण्डेय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में यदि भाजपा की सरकार बनती है तो हम 75 हजार रूपए में आवास दिलायेंगे। टाउनशिप की बस्तियों में निवासरत लोगों को भी 75 हजार रुपए में आवास मिलेगा। इस संबंध में उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि वर्ष 2015-16 में भारत सरकार द्वारा देश में प्रधानमंत्री आवास योजना लागू की गई थी। इसके साथ ही उस समय छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार द्वारा भी सभी शहरी क्षेत्रों में योजना लागू करने का निर्णय लिया गया था। जिसमें शहरी क्षेत्रों में जिनका वार्षिक आय 3 लाख तक के परिवार इस योजना के लिए पात्र हितग्राही थे जिनका देश में कहीं भी पक्का मकान नहीं था और वे नगरीय क्षेत्र में 31 अगस्त 2015 से पहले से निवास कर रहे थे। ऐसे सभी हितग्राहयों का सर्वेक्षण भी नगरीय निकायों द्वारा किया गया।

उन्होंने बताया कि ऐसे हितग्राही परिवार जिनके पास 30 वर्षीय पट्टे या स्वयं की जमीन थी उनके मकान बनाने के लिए 2.35 लाख की मदद अनुदान के रूप में दी जाने का निर्णय लिया गया। जिसमें भारत सरकार द्वारा 1.50 लाख और राज्य शासन द्वारा 0.85 लाख (पचासी हजार रूपए) कुल 2.35 लाख रूपये किश्तों में (बी.एल.सी) अंतर्गत दिया गया। अतिरिक्त व्यय की व्यवस्था हितग्राही को करना था। अनुदान राशि 4 किश्तों में हितग्राही के खातों में (डी.बी.टी) की गई। किन्तु 2018 के बाद प्रदेश में कांग्रेस सरकार आने पर, प्रधानमंत्री आवास (ए.एच.पी) का नाम परिवर्तित कर, मोर आवास मोर आस पात्र किरायेदार परिवार हेतु की गई, जिसमें भारत सरकार का अंशदान 1.50 लाख, राज्य सरकार का अंशदान शून्य एवं हितग्राही की अंशदान 3.25 लाख कर दिया गया। इस प्रकार व्यवस्थाापन के अंतर्गत आने वाले हितग्राहियों को (सड़क, नाली, अन्य योजना से प्रभावित) 0.75 हजार में और किरायेदार परिवारों को 3.25 लाख में आवास आबंटन करने का निर्णय कांग्रेस सरकार ने लिया। जिसमें प्रदेश के अधिकांश किरायेदार परिवार जो 75 हजार में आवास मिलने की आस लगाकर बैठे थे उन्हें 3.25 लाख की व्यवस्था कर 10 किश्तों में 1 वर्ष में ही पैसा जमा करने को कहा गया था। इन पांच साल में कांग्रेस सरकार ने किरायेदार पात्र हितग्राही परिवारों के साथ धोखाधड़ी की है। राज्य सरकार योजना में कोई अंशदान तो नहीं दे रहे, साथ ही योजना का नाम बदलकर योजना के हितग्राहियों को गुमराह किया है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950